▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 319 ▸▸ मुंबई, रविवार, 25 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

कितने खातों के यूजरनेम पासवर्ड लीक हुए

जीमेलः	4.8 करोड़
फेसबुकः	1.7 करोड़
इंस्टाग्रामः	65 लाख
नेटफ्लिक्सः	34 लाख
याहूः	40 लाख
आउटलुकः	15 लाख

इससे कई तरह के खतरे

डाटा लीक होने से अपराधी आपके नाम पर धोखाधड़ी कर सकते हैं। आपको असली जैसे दिखने वाले ईमेल भेजकर ठगा जा सकता है क्योंकि उनके पास आपकी सही जानकारी है। चूंकि लोग अक्सर हर जगह एक ही पासवर्ड रखते हैं, इसलिए एक पासवर्ड लीक होने से हैकर्स आपके दूसरे जरूरी अकाउंट्स (जैसे बैंक) को भी खोल सकते हैं।

डेटाबेस लीक से यूजर्स खतरे में

सुरक्षा शोधकर्ता जेरेमिया फाउलर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि एक विशाल डेटाबेस इंटरनेट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध था और इसे किसी भी पासवर्ड या एन्क्रिप्शन से सुरक्षित नहीं किया गया था। फाउलर ने स्पष्ट किया कि इस डेटाबेस में लाखों उपयोगकर्ताओं के यूजरनेम, पासवर्ड और अन्य संवेदनशील जानकारी मौजूद थी, जिसे कोई भी व्यक्ति आसानी से एक्सेस कर सकता था। इस सुरक्षा चूक ने उपयोगकर्ताओं की डिजिटल पहचान को गंभीर खतरे में डाल दिया है।

बैंक और क्रिप्टो वॉलेट तक पहुंच का खतरा

लीक हुए डेटाबेस में सिर्फ सोशल मीडिया अकाउंट्स ही नहीं, बल्कि बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड की जानकारी भी शामिल होने की आशंका जताई गई है। इसके अलावा, इसमें क्रिप्टो वॉलेट्स के लॉगिन क्रेडेंशियल्स भी मौजूद हो सकते हैं। यदि यह डेटा गलत हाथों में पड़ता है, तो उपयोगकर्ताओं के बैंक खाते और डिजिटल निवेश को बड़ा नुकसान हो सकता है, क्योंकि क्रिप्टो ट्रांजैक्शन को रिवर्स नहीं किया जा सकता।

डिजिटल दुनिया में सेंधमारी

जीमेल, फेसबुक सहित 14.9 करोड़ खातों के यूजरनेम, पासवर्ड लीक

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनिया भर के करोड़ों लोगों का डाटा लीक हो गया है। जीमेल, इंस्टाग्राम, फेसबुक और नेटफ्लिक्स सहित इंटरनेट फर्मों के 14.9 करोड़ से अधिक खातों के लॉगिन क्रेडेंशियल, यानी यूजरनेम और पासवर्ड लीक हो गए हैं। साइबर सुरक्षा फर्म 'एक्सप्रेसवीपीएन' और की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। शोधकर्ता जेरेमिया फाउलर ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट के अनुसार जीमेल के 4.8 करोड़ खाते, याहू के 40 लाख, फेसबुक के 1.7 करोड़, इंस्टाग्राम के 65 लाख, नेटफ्लिक्स के 34 लाख और आउटलुक के 15 लाख खातों के यूजरनेम और पासवर्ड सार्वजनिक हो गए हैं। यह डाटा 96 जीबी का है, जिसमें ईमेल आईडी, पासवर्ड और लॉगिन करने के डायरेक्ट लिंक शामिल हैं।

कई देशों के डोमेन से जुड़े क्रेडेंशियल भी लीक

रिपोर्ट में यह चिंता जताई गई है कि कई देशों के '.gov' डोमेन से जुड़े क्रेडेंशियल भी लीक होनेवाले डाटा में शामिल हैं। हैकर्स इनका इस्तेमाल सरकारी नेटवर्क में घुसने या जासूसी के लिए कर सकते हैं। फाउलर ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में यूनिक लॉगिन और पासवर्ड के लीक होने से बड़ी संख्या में लोगों के लिए संभावित रूप से गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा होता है, जिन्हें शायद पता भी न हो कि उनकी जानकारी चोरी हो गई है या लीक हो गई है।

नांदेड़ में 'हिंद की चादर' समागम का शंखनाद

▸▸ गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर उमड़ा जनसैलाब

डीबीडी संवाददाता । नांदेड़

मानवता और धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर नांदेड़ की धरती भक्ति और श्रद्धा के रंग में सराबोर है। तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब से शुरू हुए इस दो दिवसीय समागम में देशभर से संगत पहुंच रही है। शनिवार सुबह भव्य नगर कीर्तन और गुरु ग्रंथ साहिब की स्थापना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पालकी साहब को पुलिस द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर सम्मानित किया गया और कीर्तन, अरदास तथा गुरबानी के पवित्र पाठ से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

10 लाख श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम

समागम की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रशासन और आयोजकों को देशभर से लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। संगत की सुविधा के लिए 52 एकड़ के विशाल क्षेत्र में रहने, लंगर और स्वास्थ्य सेवाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। दूर-दराज से आने वाले भक्तों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया है ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मानवता और सहिष्णुता का संदेश

आयोजन समिति ने बताया कि इस शहीदी समागम का मुख्य उद्देश्य गुरु तेग बहादुर जी के उस महान बलिदान को याद करना है, जिसने समाज में धार्मिक स्वतंत्रता और सहिष्णुता को जीवित रखा। इस अवसर पर महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन, राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण और शहीदी समागम राज्य समिति के समन्वयक रमेश्वर नायक सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। समागम दो दिनों तक कीर्तन दरबार और ढाडी जत्थों की प्रस्तुतियों के साथ जारी रहेगा।

पंजाबियों के खून में बसी है बलिदान की भावना : भगवंत मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि त्याग और बलिदान की भावना पंजाबियों के खून में बसी है तथा वे देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हैं, चाहे वे कहीं भी जाएं। मान ने महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित 'हिंद दी चादर' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मान ने कहा कि पंजाबियों ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने में हमेशा तत्परता दिखाई है। जब दुश्मन की तरफ से गोली आती है, तो वे सबसे पहले उसका सामना करते हैं, चाहे कारगिल हो, जैसलमेर हो, गंगानगर हो या बीकानेर। यह भावना हमें हमारे गुरुओं से मिली है और त्याग की भावना हमारे खून में बसी है।

अमित शाह और पवन कल्याण कार्यक्रम में होंगे शामिल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण रविवार को नांदेड़ में आयोजित होने वाले 'हिंद की चादर' कार्यक्रम में शामिल होंगे। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जिला सूचना कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक शाह अपराह्न करीब दो बजे यहां पहुंचेंगे और फिर तख्त सचखंड गुरुद्वारा श्री हजूर साहिब जाएंगे, जहां से वे गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में मोदी ग्राउंड में आयोजित 'हिंद की चादर' कार्यक्रम में शामिल होंगे। विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री शहीदी समागम में शामिल होंगे और शाम 4:30 बजे दिल्ली वापस लौटेंगे।

भुजबल के खिलाफ हाई कोर्ट जाएंगी अंजलि दमानिया

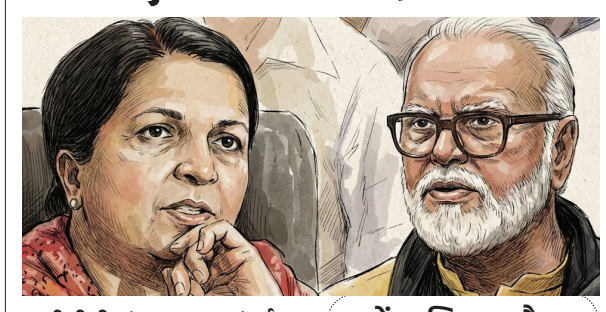

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सदन घोटाले मामले में एसीबी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में बरी कर दिया है। हालांकि इस फैसले के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने हाई कोर्ट जाने का एलान किया है। उनका कहना है कि भुजबल के खिलाफ सभी मामलों का अंत नहीं हुआ है।

टेंडर विवाद और लंबित मामला

ईडी ने लोक निर्माण मंत्री रहते हुए बिना टेंडर मंगाए केएस चमनकर एंटरप्राइजेज को ठेका देने का आरोप लगाया था, लेकिन अदालत ने निर्दोष बरी करने की अर्जी मंजूर कर ली। इस पर दमानिया ने कहा कि संभव है कोर्ट के समक्ष पूरी जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई हो। कलिना सेंट्रल लाइब्रेरी से जुड़ा मामला अभी भी लंबित है और उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'क्लीन चिट नहीं मिलने का दावा

अंजलि दमानिया ने स्पष्ट किया कि छगन भुजबल के खिलाफ एक मामला अब भी लंबित है, इसलिए उन्हें किसी तरह की 'क्लीन चिट' नहीं दी जा सकती। उन्होंने बताया कि यह कानूनी लड़ाई वर्ष 2014 से जारी है, जब उन्होंने जनहित याचिका दाखिल की थी। कुल 11 कथित घोटालों से जुड़ी याचिकाएं दाखिल की गई थीं, जिनमें से तीन मामलों में केस दर्ज हुए। इनमें से दो मामलों में भुजबल को राहत मिली है।

ब्रीफ न्यूज़

लड्डू घी मिलावट मामले में सीबीआई ने दाखिल की अंतिम चार्जशीट

अमरावती। आंध्र प्रदेश में तिरुपति लड्डू घी मिलावट मामले में अब एक नया मोड़ आ गया है। जहां मामले की जांच कर रही सीबीआई की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अंतिम चार्जशीट स्थानीय अदालत में दाखिल कर दी है। इसमें कुछ टीटीडी कर्मचारियों, घी आपूर्तिकर्ताओं और अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह चार्जशीट नेल्लोर एसीबी कोर्ट में शुक्रवार को दाखिल की गई। एसआईटी की जांच में पाया गया कि मिलावटी घी में पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल और पामोलीन जैसे घटक मिलाए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया कि कम गुणवत्ता वाला घी और बेटा कैरोटीन, एसीटिक एसिड एस्टर, घी फ्लेवर और अन्य मिलावट वाले रसायन भी प्रयोग किए गए ताकि लेब टेस्ट वैल्यूज सही दिखाई दें और घी की खुशबू बनी रहे।

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले, 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है। बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। इस बैठक में सरकार और विपक्ष सत्र के एजेंडे पर अपनी-अपनी बात रखेंगे।

कुणाल कामरा की बढ़ीं मुश्किलें

▸▸ एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी मामले में दिल्ली कोर्ट ने थमाया नोटिस

▸▸ रोहिणी कोर्ट ने सात दिन में जवाब देने का दिया निर्देश

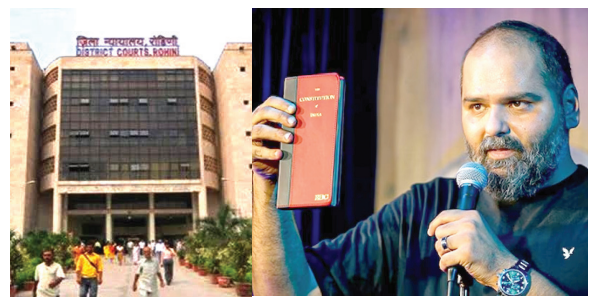

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली/मुंबई

राजनीतिक व्यंग्य और तीखे कटाक्षों के लिए चर्चित कॉमेडियन कुणाल कामरा एक बार फिर कानूनी विवादों में घिर गए हैं। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मजाक उड़ाने वाले एक कथित वीडियो को लेकर कामरा को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस शिवसेना (शिंदे गुट) के दिल्ली प्रमुख संदीप चौधरी की ओर से दायर क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन पर सुनवाई के बाद जारी किया गया है।

सात दिन में जवाब देने का निर्देश

एडिशनल सेशंस जज वंदना ने 20 जनवरी 2026 को पारित आदेश में कुणाल कामरा को 7 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 20 मार्च के लिए तय की है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि 'नया भारत' शीर्षक वाले वीडियो में कामरा ने एकनाथ शिंदे के खिलाफ अपमानजनक और भड़काऊ भाषा का प्रयोग किया, जिससे राजनीतिक वैमनस्य फैलने की आशंका है।

पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दी थी राहत

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 15 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज कर दी थी। उस समय अदालत ने इसे व्यंग्य और राजनीतिक पैरोडी मानते हुए कहा था कि अप्रिय लगने वाली भाषा को स्वतः अपराध नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि अब ऊपरी अदालत में रिवीजन पिटीशन के बाद नोटिस जारी होने से मामला फिर चर्चा में आ गया है और 20 मार्च की सुनवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

2.89 करोड़ का सोना ज़ब्त, दो गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने मुंबई के इंटरनेशनल कूरियर टर्मिनल (आईसीटी) पर बड़ी कार्रवाई करते हुए रियाद, सऊदी अरब से आए एक कूरियर पार्सल से करीब 2.89 करोड़ रुपये मूल्य का 1.815 किलोग्राम विदेशी सोना ज़ब्त किया है। इस मामले में डीआरआई ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

मीट ग्राइंडर में छिपाया गया था सोना

जांच अधिकारी के अनुसार, डीआरआई को सूचना मिली थी कि आईसीटी के माध्यम से मीट-ग्राइंडिंग मशीन में सोना छिपाकर तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर शुक्रवार को कड़ी निगरानी रखी गई। संदेह के आधार पर जब सऊदी अरब से आए मीट ग्राइंडर के पार्सल की जांच की गई, तो उसके गियर मैकेनिज्म को तोड़ने पर 32 कटे हुए सोने के टुकड़े बरामद हुए। सोने को अलग-अलग आकार में काटकर गियर असेंबली के अंदर बेहद चालाकी से छिपाया गया था, ताकि पारंपरिक स्कैनिंग प्रक्रिया से बचा जा सके।

शिक्षक पदों के मानदंडों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

▸▸ महाराष्ट्र सरकार के आदेश संबंधी याचिका पर नोटिस

▸▸ शिक्षा के अधिकार कानून के उल्लंघन का आरोप

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली/मुंबई

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक पदों को स्वीकृत करने के मानदंडों में संशोधन से जुड़े महाराष्ट्र सरकार के सरकारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने सिंधुदुर्ग जिला शिक्षण संस्था चालक मंडल की याचिका पर राज्य सरकार, शिक्षा आयुक्त सहित अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस भेजे हैं। याचिका में दावा किया गया है कि राज्य सरकार द्वारा 15 मार्च 2024 को जारी सरकारी आदेश (जीआर) शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में निर्धारित विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात की नीति और योजना के विपरीत है। इस आदेश के तहत प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की संख्या के आधार पर शिक्षकों के पदों को स्वीकृत करने के मानदंडों में बदलाव किया गया है।

एक शिक्षक पर कई कक्षाओं का बोझ

याचिका अधिवक्ता अजित प्रवीण वाघ के माध्यम से दाखिल की गई है। इसमें कहा गया है कि नए मानदंडों के चलते कई ऐसे विद्यालय बनेंगे, जहां छात्रों की संख्या निर्धारित सीमा से कम होने पर कई कक्षाओं के लिए केवल एक ही शिक्षक स्वीकृत किया जाएगा। इससे शिक्षण व्यवस्था और छात्रों की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है।

अकोला-सांगली में किंगमेकर बने शरद पवार

▸▸ भाजपा बहुमत से चूकी

डीबीडी संवाददाता । सांगली

महाराष्ट्र की नगर राजनीति में नया समीकरण उभर आया है। सांगली और अकोला नगर निगमों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बहुमत से चूक गई है। ऐसे में एनसीपी (एसपी) दोनों निकायों में निर्णायक भूमिका में आ गई है। तीन-तीन पार्षदों के साथ यह दल सत्ता गठन की दिशा तय करने वाला किंगमेकर बन गया है। 78 सदस्यीय सांगली-मिरज-कुपवाड़ नगर निगम में भाजपा को 39 सीटें मिली हैं, जबकि बहुमत के लिए 40 की जरूरत है।

अकोला नगर निगम का सियासी गणित

अकोला नगर निगम में कुल 80 सदस्य हैं। बहुमत के लिए 41 सीटों की जरूरत है। भाजपा को 38 सीटें मिली हैं, जो बहुमत से तीन कम हैं। कांग्रेस ने 21 सीटें जीती हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) को छह सीटें मिली हैं। एनसीपी (एसपी) के खाते में तीन सीटें आई हैं।

नॉस्टेल्जिया बचपन की खुशबू वाली इमारत अब यादों में सिमट जाएगी

97 साल पुरानी पारले-जी फैक्ट्री होगी जमींदोज

अमित बृज । मुंबई

मुंबई के विलेपार्ले में खड़ी पारले-जी बिस्किट की ऐतिहासिक इमारत अब ढहाई जाएगी। यही वह जगह थी, जहाँ से करोड़ों भारतीयों के बचपन का स्वाद जन्मा था। करीब 97 साल पुरानी इस फैक्ट्री की दीवारों में वक्त की कई परतें जमी थीं। इन्हीं दीवारों के भीतर वह बिस्किट बना, जिसने भूख के साथ-साथ पीढ़ियों की यादों को भी पाला। अब उसी जगह पर एक बड़ा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनने जा रहा है, और उसके साथ ही एक युग का अंत भी।

2025 में मिली मंजूरी

पारले प्रोडक्ट्स के प्रस्ताव को 7 जनवरी को स्टेट एनवायरनमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी से आंशिक मंजूरी मिल गई है। इसके तहत इलाके की 21 पुरानी इमारतों को गिराने की अनुमति दी गई है। कागजों में यह एक "रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट" है, लेकिन दिलों में यह बचपन की एक पूरी गली को मिटा देने जैसा है।

नया कॉम्प्लेक्स बनेगा

इस 5.44 हेक्टेयर जमीन पर करीब 3,961 करोड़ रुपये की लागत से नया कॉम्प्लेक्स बनेगा। चार बड़ी इमारतें, पार्किंग टावर, रिटेल शॉप्स, रेस्टोरेंट और फूड कोर्ट होंगे। जहाँ कभी बिस्किट की खुशबू हवा में घुलती थी, वहाँ अब कंक्रीट की दीवारें उठेंगी। एयरपोर्ट के पास होने के कारण बिल्डिंग की ऊंचाई पर पाबंदी तय की गई है। एक इमारत 30.40 मीटर और दूसरी 28.81 मीटर ऊंची होगी।

पारले-जी का जन्मस्थान अब तस्वीरों में

प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स में बेसमेंट, पार्किंग फ्लोर, दुकानें, ऑफिस और फूड कोर्ट होंगे। 1929 में शुरू हुई यह फैक्ट्री सिर्फ एक उत्पादन इकाई नहीं थी, बल्कि मुंबई की औद्योगिक विरासत का प्रतीक थी। इस जगह की सबसे बड़ी पहचान 'यहाँ से पारले-जी निकला था' अब सिर्फ यादों और तस्वीरों में जिंदा रहेगी।

बदलापुर कांड

नियम माने होते तो टल सकती थी घटना

उपाध्यक्ष नीलम गोरहे ने स्कूल प्रबंधन को ठहराया जिम्मेदार

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर/मुंबई

महाराष्ट्र के बदलापुर में एक मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। विधान परिषद की उपाध्यक्ष नीलम गोरहे ने घटनास्थल और शहर का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। अपनी समीक्षा के बाद उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि स्कूलों ने पिछले चार वर्षों से लागू सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन किया होता, तो इस दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक घटना को रोका जा सकता था। उन्होंने प्रशासन को फटकार लगाते हुए भविष्य के लिए सख्त कदम उठाने के संकेत दिए हैं।

कागजों में सिमटे रह गए सुरक्षा नियम

नीलम गोरहे ने प्रशासन और स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी सुरक्षा गाइडलाइंस केवल कागजों तक ही सीमित रह गईं और उनका जमीनी स्तर पर कोई पालन नहीं हुआ। विशेष रूप से स्कूलों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए जो निवारक उपाय (Preventive Measures) करने थे, उनमें भारी लापरवाही बरती गई है। यह घटना दर्शाती है कि सिस्टम की उदासीनता किस तरह एक मासूम के लिए घातक साबित हुई। गोरहे ने इस घटना को केवल एक व्यक्ति द्वारा किया गया अपराध नहीं, बल्कि स्कूल प्रबंधन की संस्थागत विफलता बताया। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों से नियम अस्तित्व में हैं, लेकिन उनका असर नहीं दिख रहा। उन्होंने सीधे तौर पर स्कूल की जवाबदेही तय की। यह घटना एक चेतावनी है कि जब शैक्षणिक संस्थान सुरक्षा मानकों के प्रति लापरवाह हो जाते हैं, तो उसके परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।

प्री-स्कूलों के लिए बनेगा नया नीतिगत ढांचा

जांच में एक बड़ी खामी यह सामने आई है कि वर्तमान में प्री-स्कूल (Play-schools/Nursery) किसी भी सरकारी विभाग के सीधे नियंत्रण में नहीं आते हैं। सुरक्षा के लिहाज से यह एक बड़ा 'लूपहोल' साबित हो रहा है। नीलम गोरहे ने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ बैठक करेंगी ताकि प्री-स्कूलों को भी शिक्षा विभाग के दायरे में लाने के लिए ठोस नीतिगत निर्णय लिया जा सके और उन पर निगरानी रखी जा सके। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत बदलापुर मामले में आरोपी वैन ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कल्याण जिला सत्र न्यायालय ने उसे 27 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जांच में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि आरोपी के पास वैध आरटीओ लाइसेंस तक नहीं था। इसके चलते परिवहन विभाग ने उस पर नियमों के उल्लंघन के लिए 24,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

स्कूल वैन में महिला परिचारिका की अनिवार्यता

छात्रों के सुरक्षित आवागमन पर जोर देते हुए उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि बच्चों को घर से स्कूल लाने और ले जाने की पूरी जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन की है। उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि स्कूल वाहनों में एक महिला परिचारिका (Female Attendant) का होना अनिवार्य है। इस मामले में महिला अटेंडेंट की अनुपस्थिति ने ही अपराधी को कुकृत्य करने का मौका दिया, जो स्कूल की घोर लापरवाही को उजागर करता है। इस घटना ने स्कूल बस चालकों और ठेकेदारों की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए हैं। नीलम गोरहे ने निर्देश दिए हैं कि वैन चालकों और ठेकेदारों का पुलिस वेरिफिकेशन और बैकग्राउंड चेक अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना स्कूल की जिम्मेदारी है कि चालक किसी भी प्रकार के नशे का आदी न हो और उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड न हो, ताकि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

कांग्रेस, एनसीपी एसपी और समाजवादी पार्टी ने बनाया 'भिवंडी सेक्युलर फ्रंट'

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और समाजवादी पार्टी ने एकजुट होकर 'भिवंडी सेक्युलर फ्रंट' के गठन की औपचारिक घोषणा की है। इस गठबंधन के तहत भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका का महापौर भी इसी फ्रंट से चुने जाने का दावा समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने किया। उन्होंने कहा कि नगर निकाय में सेक्युलर ताकतों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। विधायक रईस शेख ने बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष विधायक अबू आसिम आज़मी के मार्गदर्शन व समर्थन से इस गठबंधन का गठन हुआ है। शुक्रवार को कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने संयुक्त रूप से फ्रंट की घोषणा की। इसमें रईस शेख को संयोजक, कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व विधायक एडवोकेट अब्दुल रशीद ताहिर मोमिन को चेयरमैन और एनसीपी (शरद पवार) के स्थानीय अध्यक्ष शुएब गुड्डू को सह-संयोजक नियुक्त किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश नेता अजय यादव लाला भी उपस्थित रहे।

बहुमत का दावा और विकास का एजेंडा

रईस शेख ने कहा कि भिवंडी की जनता ने सेक्युलर दलों को स्पष्ट जनादेश दिया है, जिसका सम्मान करते हुए यह फ्रंट बनाया गया है। उन्होंने बताया कि महानगरपालिका में कुल 90 पार्षदों में से कांग्रेस के 30, एनसीपी (शरद पवार) के 12 और समाजवादी पार्टी के 6 पार्षद हैं, इस तरह फ्रंट के पास 48 पार्षदों का स्पष्ट बहुमत है। फ्रंट का उद्देश्य मेयर चुनाव जीतकर एकता, भाईचारा और शहर के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देना है।

केमिकल कंपनी में लगी आग, कोई हताहत नहीं

डीबीडी संवाददाता । रायगढ़

रायगढ़ जिले के नवी मुंबई स्थित पावने एमआईडीसी इलाके में बिटाकेम नामक एक केमिकल कंपनी में शनिवार दोपहर अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया गया। इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार, दोपहर में एमआईडीसी क्षेत्र की केमिकल कंपनी में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद पांच दमकल गाड़ियों को तत्काल मौके पर भेजा गया। दिन के समय आग लगने के कारण कंपनी में काम कर रहे सभी मजदूर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

केमिकल की वजह से बुझाने में दिक्कत

कंपनी परिसर में भारी मात्रा में केमिकल मौजूद होने के चलते आग बुझाने में दमकल कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल आग पर काबू पाने का प्रयास युद्ध स्तर पर जारी है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जिला परिषद चुनाव

कोंकण में बीजेपी का 'बिनविरोध' पैटर्न

भाजपा के करीब 6 उम्मीदवार बिना किसी चुनावी लड़ाई के विजयी घोषित

डीबीडी संवाददाता । सिंधुदुर्ग

महाराष्ट्र में हाल ही के दिनों में महानगरपालिका चुनावों में चर्चा का विषय बना 'बिनविरोध निर्वाचन' का पैटर्न अब ग्रामीण राजनीति में भी हावी होता दिख रहा है। जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में कोकण के कणकवली क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी ने इस फॉर्मूले का सफल प्रयोग किया है। चुनाव से पहले ही भाजपा के कई उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना विरोधी दलों, खासकर उद्धव ठाकरे गुट के लिए चिंता का विषय बन गया है। आगामी 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए मतदान होना बाकी है, लेकिन कणकवली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने अभी से जश्न मनाना शुरू कर दिया है। यहाँ भाजपा का 'बिनविरोध' जीतने का सिलसिला लगातार जारी है। अब तक भाजपा के करीब 6 उम्मीदवार बिना किसी चुनावी लड़ाई के विजयी घोषित हो चुके हैं, जो पार्टी के मजबूत संगठनात्मक कौशल और विरोधियों की कमजोर रणनीति को दर्शाता है। यह पूरा घटनाक्रम मंत्री नितेश राणे के प्रभाव वाले कणकवली विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। यहाँ विरोधी दलों के उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लेना भाजपा की सफलता का मूल कारण बना है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राणे के गढ़ में विपक्ष का मनोबल इस कदर टूट चुका है कि वे चुनावी मैदान में उतरने से पहले ही हथियार डाल रहे हैं, जिससे भाजपा को बड़ी बढ़त मिल गई है।

उद्धव ठाकरे गुट को लगा करारा झटका

यह चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न था, लेकिन उन्हें यहाँ करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। कणकवली तालुका में शुक्रवार को उद्धव गुट के चार प्रमुख उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। कोकण, जिसे कभी शिवसेना का अभेद्य किला माना जाता था, वहाँ इस तरह यूबीटी उम्मीदवारों का मैदान छोड़ना पार्टी के घटते जनाधार और कमजोर होती पकड़ का संकेत है। सिर्फ नामांकन वापसी ही नहीं, बल्कि तकनीकी कारणों से भी भाजपा को फायदा मिला है। बिडवाडी पंचायत समिति में शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार विद्या विजय शिंदे का आवेदन जांच के दौरान अवैध करार दे दिया गया। 'तीन बच्चों के नियम' (Three Children Rule) का उल्लंघन करने के कारण उनका नामांकन खारिज हुआ। इसका सीधा लाभ भाजपा की संजना संतोष राणे को मिला, जिन्हें वहां से बिनविरोध विजयी घोषित कर दिया गया।

इन दिग्गजों ने हासिल की बिनविरोध जीत

सिंधुदुर्ग में अब तक जिन भाजपा उम्मीदवारों ने बिनविरोध जीत दर्ज की है, उनकी सूची लंबी होती जा रही है। खारेपाटण जिला परिषद से प्राची देवानंद इस्वलकर, कोकिसरे पंचायत समिति से साधना नकाशे, जाणवली से रुहिता तांबे, बांदा से प्रमोद कामत और वरवडे पंचायत समिति से राजेश सावंत शामिल हैं। इसके अलावा सोनू सावंत भी कणकवली पंचायत समिति से निर्विरोध चुने गए हैं।

विरोधियों और निर्दलियों का 'सरेंडर'

शुक्रवार को नामांकन वापसी के दिन कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। खारेपाटण जिला परिषद क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार उज्ज्वला वीरेंद्र चिके और फोंडाघाट से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना की उम्मीदवार सुजाता सदानंद हलदीवे ने भी अपने नाम वापस ले लिए। वहीं, वरवडे पंचायत समिति क्षेत्र से मनसे (MNS) के शांताराम सुरेश सादये ने भी मैदान छोड़ दिया, जिससे भाजपा की राह आसान हो गई।

यूबीटी की रणनीतिक विफलता

कणकवली तालुका में यूबीटी को एक के बाद एक झटके लगे हैं। खारेपाटण जिला परिषद क्षेत्र से उद्धव सेना की उम्मीदवार मीनल तलगावकर ने जब चुनावी मैदान से हटने का फैसला किया, तो भाजपा की प्राची इस्वलकर की जीत पक्की हो गई। इसी तरह बांदा जिला परिषद क्षेत्र में भी विपक्ष की अनुपस्थिति ने भाजपा उम्मीदवार प्रमोद कामत को बिनविरोध जीत दिला दी। इसे यूबीटी की स्थानीय इकाई की रणनीतिक विफलता के रूप में देखा जा रहा है।

वित्तीय योजनाकार से 49 लाख रुपए की धोखाधड़ी

दो आरोपी हुए गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में जमीन के जाली दस्तावेजों के जरिए एक वित्तीय सलाहकार से 49.35 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामला मानपाडा पुलिस थाने में दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दिसंबर 2015 और जुलाई 2023 के बीच नकली दस्तावेज तैयार किए और इनका इस्तेमाल कर डोंबिवली पूर्व निवासी राजेश सुभाष जाधव (34) को निर्माण कार्यों की साझेदारी में फंसाया। अधिकारी ने बताया कि 'ये जमीन डोंबिवली पूर्व के मौजे अडजे-गोलावली, मौजे दावडी, मौजे नंदिवली और मौजे गोलावली में स्थित हैं। इन भूखंडों के पुनर्विकास के लिए शिकायतकर्ता ने 49.35 लाख रुपए का निवेश किया था, लेकिन बाद में उसे पता चला कि इनसे जुड़े दस्तावेज जाली हैं।' इस ठगी की वजह से शिकायतकर्ता को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

आरोप और जांच

अधिकारी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

अवैध गर्भपात रैकेट का पर्दाफाश

स्वास्थ्य विभाग ने एक स्टिंग ऑपरेशन के जरिए इस गैर-कानूनी गतिविधि का किया भंडाफोड़

ओपी यादव । नालासोपारा

वसई के नालासोपारा पूर्व स्थित आचोळे इलाके के 'केअर एंड क्योर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल' में अवैध रूप से गर्भपात किए जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। वसई-विरार शहर महानगरपालिका (VVMC) के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग ने एक स्टिंग ऑपरेशन के जरिए इस गैर-कानूनी गतिविधि का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में तीन डॉक्टरों के खिलाफ आचोळे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। नालासोपारा पूर्व के आचोळे में स्थित इस अस्पताल के पास गर्भपात (MTP) करने की कोई वैध अनुमति या लाइसेंस नहीं था। इसके बावजूद वहां चोरी-छिपे यह काम किया जा रहा था। इसकी गुप्त सूचना महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग को मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भक्ति चौधरी ने चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधीर पांढरे और डॉ. कृष्णा गोसावी को अस्पताल की जांच करने के आदेश दिए।

तीन आरोपी डॉक्टर चिन्हित

इस मामले में जांच टीम ने अस्पताल के संचालक डॉ. चंद्रकांत शंभुनाथ मिश्रा और अरुण शुक्ला को दोषी पाया है। इसके अलावा संतोष भवन, वालईपाडा स्थित 'कुशल क्लीनिक' के डॉ. संजीव सिंह की संलिप्तता भी इस अवैध धंधे में पाई गई है। ये सभी आरोपी नियमों और कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए अवैध गर्भपात की प्रक्रिया को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

महानगरपालिका की टीम द्वारा की गई जांच में दोषी पाए जाने के बाद चिकित्सा अधिकारियों ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया। उनकी शिकायत के आधार पर आचोळे पुलिस स्टेशन में संबंधित डॉक्टरों और संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह नेटवर्क और कितना फैला हुआ है।

स्टिंग ऑपरेशन में खुली पोल

आदेश मिलने के बाद अधिकारियों ने गुरुवार, 22 जनवरी को स्टिंग ऑपरेशन करते हुए अस्पताल का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। जांच में यह बात साबित हो गई कि बिना किसी आधिकारिक अनुमति के मरीजों को गर्भपात की गोलियां दी जा रही थीं। सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि संबंधित व्यक्तियों के पास न तो गर्भपात कराने का वैधानिक अधिकार था और न ही उनके पास इसके लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता (डिग्री) थी।

चोरी के 5 मामले सुलझे, 4.5 लाख का माल बरामद

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई की तुर्भे पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन गिरफ्तारियों के साथ ही पुलिस ने नवी मुंबई में हुई सेंधमारी (burglary) के पांच मामलों को सुलझा लिया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने कुल 4,51,400 रुपए का चोरी का सामान बरामद किया है, जिसमें मोबाइल फोन और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं। यह कार्रवाई 21 जनवरी को हुई एक चोरी की घटना के बाद की गई। तुर्भे नाका के फाइजर रोड स्थित 'साई कम्युनिकेशंस मोबाइल शॉप' का शटर तोड़कर अज्ञात चोरों ने मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान चुरा लिया था। इस शिकायत के बाद, तुर्भे पुलिस स्टेशन ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 331(4), 331(3) और 305 के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

सीसीटीवी और तकनीकी जांच से मिले सुराग

जांच के दौरान पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी और खुफिया इनपुट की मदद से पुलिस को सुराग मिले, जिसके आधार पर नवी मुंबई के एपीएमसी (APMC) सब्जी मंडी क्षेत्र से चार संदिग्धों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने तुर्भे, खांडेश्वर और रबाले एमआईडीसी पुलिस स्टेशनों में दर्ज घरफोड़ी और चोरी के पांच मामलों में अपनी संलिप्तता कबूल की।

बिहार के रहने वाले हैं सभी आरोपी

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तजमुल आलम कामरुल खान (24), अशफाक असिरुद्दीन आलम (32), नाजिम मोहम्मद जलाल (24) और मो. अख्तर मो. सरफुद्दीन आलम (30) के रूप में हुई है। ये सभी बिहार के किशनगंज जिले के मूल निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह योजनाबद्ध तरीके से काम करता था और मुख्य रूप से देर रात के समय व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाता था।

मुंबई में 'बिहार भवन' पर घमासान

314 करोड़ के प्रोजेक्ट पर मनसे की धमकी

नीतीश सरकार ने कहा- रोक सको तो रोक लो

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/पटना

मुंबई के एलफिंस्टन एस्टेट में प्रस्तावित 'बिहार भवन' के निर्माण को लेकर महाराष्ट्र और बिहार के बीच सियासी पारा चढ़ गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की जमीन पर 314.20 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य भवन बनाने का निर्णय लिया है। इस फैसले के सामने आते ही राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने कड़ा विरोध जताया है और निर्माण कार्य न होने देने की खुली धमकी दी है।

मनसे का अल्टीमेटम: 'मुंबई में नहीं बनने देंगे भवन'

विवाद की शुरुआत तब हुई जब मनसे नेता यशवंत किलेदार ने स्पष्ट चेतावनी जारी की। मनसे का तर्क है कि मुंबई पहले से ही बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव, भीड़ और अन्य समस्याओं से जूझ रही है। किलेदार ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि उन्हें बिहार के कैंसर मरीजों की इतनी ही चिंता है, तो वे बिहार में ही विश्वस्तरीय अस्पताल क्यों नहीं बनाते? उनका कहना है कि मरीजों को मुंबई आने के लिए मजबूर करने के बजाय बिहार सरकार को अपने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करनी चाहिए।

30 मंजिला इमारत और 314 करोड़ का बजट

बिहार सरकार ने इस प्रोजेक्ट को अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल किया है। दिल्ली के 'बिहार निवास' की तर्ज पर मुंबई में बनने वाला यह भवन 314 .20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगा। यह इमारत मुंबई के पॉश इलाके एलफिंस्टन एस्टेट में 0 .68 एकड़ जमीन पर बनेगी। योजना के अनुसार, यह एक 30 मंजिला गगनचुंबी इमारत होगी, जिसकी ऊंचाई लगभग 69 मीटर प्रस्तावित है। बिहार सरकार का दावा है कि यह भवन केवल वीआईपी या सरकारी कामकाज के लिए नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से बनाया जा रहा है। दरअसल, बड़ी संख्या में बिहार से मरीज इलाज के लिए मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल आते हैं। इन मरीजों और उनके परिजनों को मुंबई में ठहरने के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और महंगे होटलों का खर्च उठाना मुश्किल होता है।

हाई-टेक सुविधाएं और स्मार्ट पार्किंग

प्रस्तावित बिहार भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसमें मरीजों और उनके परिजनों के लिए विशेष रूप से 240 बिस्तरों वाली डोरमेट्री बनाई जाएगी। इसके अलावा, भवन में कुल 178 कमरे होंगे जो अधिकारियों और जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध रहेंगे। मुंबई में पार्किंग की समस्या को देखते हुए यहां 233 वाहनों के लिए सेंसर आधारित मल्टी-लेवल स्मार्ट पार्किंग की भी व्यवस्था होगी।

बिहार सरकार का पलटवार: 'मुंबई किसी की जागीर नहीं'

मनसे की धमकी पर बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे लोकतंत्र बनाम राजतंत्र का मुद्दा बताते हुए कहा, रमुंबई किसी की निजी जागीर नहीं है, यह पूरे देश का हिस्सा है।र उन्होंने मनसे को चुनौती देते हुए कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और किसी में दम है तो वह इस सरकारी परियोजना को रोक कर दिखाए। चौधरी ने स्पष्ट किया कि संवैधानिक ढांचे में एक राज्य दूसरे राज्य में अपनी संपत्ति बना सकता है।

बॉलीवुड में सांप्रदायिक भेदभाव नहीं : अरुण गोविल

मुंबई। अभिनेता एवं राजनेता अरुण गोविल ने बॉलीवुड में सांप्रदायिक भेदभाव के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग विविधता का एक जीवंत उदाहरण है, जहां सभी धर्मों और पृष्ठभूमियों के लोग काम के अवसर पाते हैं। गोविल ने यह प्रतिक्रिया ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान की हालिया टिप्पणी के जवाब में दी, जिसमें रहमान ने पिछले आठ वर्षों में उन्हें काम के कम अवसर मिलने का दावा किया था।

गोविल ने बड़े स्टार्स का दिया उदाहरण

अरुण गोविल ने इस संदर्भ में दिलीप कुमार, शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे बड़े अभिनेताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि फिल्म उद्योग में सांप्रदायिक भेदभाव होता, तो ये स्टार्स कैसे बने होते। उन्होंने स्पष्ट किया, "हमारे हिंदी फिल्म उद्योग में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी को सांप्रदायिक भेदभाव के कारण काम न मिला हो। फिल्म जगत में हर धर्म के लोग काम करते आए हैं।"

इस मामले में एआर रहमान ने बाद में 18 जनवरी को सोशल मीडिया पर स्पष्टीकरण जारी किया और कहा कि उनकी टिप्पणियों को गलत समझा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना या भेदभाव का आरोप लगाना कभी नहीं था।

न्याय में देरी न्यायिक सिस्टम का विनाश है : सीजेआई सूर्यकांत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने न्यायपालिका की भूमिका पर महत्वपूर्ण विज़न साझा किया है। उन्होंने उच्च न्यायालयों को 'प्रो-एक्टिव' होने का आह्वान किया और कहा कि न्याय का अर्थ केवल फैसला सुनाना नहीं, बल्कि उसे समय पर सुनिश्चित करना है। सीजेआई ने जोर दिया कि जब कानून का शासन (Rule of Law) असफल होता है, वहां अदालतों को खुद आगे बढ़कर संज्ञान लेना चाहिए।

देरी पर डगमगा जाता है आम जनता का भरोसा

फली नरीमन स्मृति व्याख्यान में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, "न्याय में देरी केवल न्याय का इनकार नहीं, बल्कि न्याय का विनाश है।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिकों का न्याय तक पहुंचना एक 'पैसिव राइट' नहीं, बल्कि राज्य द्वारा सुनिश्चित सेवा होना चाहिए। न्याय में देरी न केवल वादियों का समय नष्ट करती है, बल्कि आम जनता का सिस्टम पर भरोसा भी कमजोर करती है।

हाईकोर्ट और वैकल्पिक विवाद समाधान की भूमिका

सीजेआई ने उच्च न्यायालयों को केवल सुप्रीम कोर्ट की सीढ़ी मानने वाली परंपरागत धारणा को खारिज किया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट आम नागरिक की दहलीज के रक्षक हैं और कानून की जीवंत वास्तविकता सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) और मध्यस्थता को मजबूत करने पर जोर दिया, ताकि मुकदमों के बोझ को कम किया जा सके और विवादों का समाधान बुद्धिमत्ता से हो सके।

हावड़ा–मुंबई मेल में 60 किलो गांजा बरामद

नागपुर/मुंबई। रेलवे सुरक्षा बल (RPF), नागपुर ने हावड़ा–मुंबई मेल एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12810) में सघन जांच के दौरान 60.750 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। कोच संख्या ए-1 में बर्थ संख्या 1 और 6 के नीचे रखे गए 4 पिट्ठू बैग और 2 ट्रॉली बैग संदिग्ध पाए गए। जांच में इन बैगों से अवैध मादक पदार्थ मिला।

आरोपी गिरफ्तार, कानूनी कार्रवाई शुरू

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना नाम चंदेश्वर पासवान (41) और विक्की कुमार (19) बताया, जो बिहार के निवासी हैं। दोनों ने गांजा अवैध रूप से ले जाने की बात स्वीकार की। वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपियों को जीआरपी इतवारी के सुपुर्द किया गया और उनके खिलाफ अपराध दर्ज किया गया।

रेलवे सुरक्षा बल नागपुर मंडल ने यह कार्रवाई 'ऑपरेशन नार्कोस' के तहत की, जो रेल गाड़ियों और रेल परिसरों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों, शराब और तंबाकू उत्पादों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए चलाया जा रहा है। बरामद गांजे का वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 30 लाख 37 हजार 500 रुपये आंका गया है।

फायरिंग केस में केआरके पर शिकंजा

27 जनवरी तक बढ़ी कस्टडी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की बांद्रा अदालत में कमाल राशिद खान उर्फ केआरके से जुड़े फायरिंग मामले की शुक्रवार को अहम सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत को बताया कि घटना के समय दो राउंड फायर किए गए थे और मौके से एक कारतूस भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार फायरिंग की मंशा अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन इसे आम जनता की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला माना जा रहा है।

बचाव पक्ष ने आरोपों पर उठाए सवाल

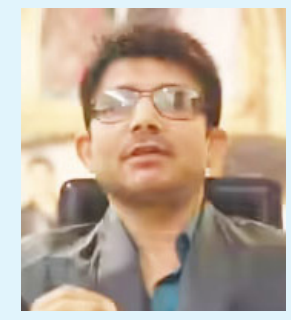

केआरके की ओर से पेश वकील ने पुलिस के दावों को चुनौती देते हुए कहा कि फायरिंग किसी अज्ञात व्यक्ति ने की थी। उन्होंने तर्क दिया कि जिन दो फ्लैट्स की ओर गोली चलने की बात कही जा रही है, उनके बीच करीब 400 मीटर की दूरी है, जबकि जिस हथियार का उल्लेख किया गया है उसकी मारक क्षमता केवल 20 मीटर तक है। ऐसे में केआरके पर लगाए गए आरोप संदिग्ध हैं।

केआरके ने खुद को निर्दोष बताया

अदालत में केआरके ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि इस घटना से उनका कोई लेना-देना नहीं है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पास वैध हथियार लाइसेंस है। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने केआरके को 27 जनवरी तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। पुलिस अब फायरिंग की मंशा और पूरे मामले की गहराई से जांच करेगी।

'एलन मस्क' बनकर महिला से 16 लाख की ठगी

अमेरिका ले जाने का दिया था झांसा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी में साइबर ठगी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहाँ दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ 'एलन मस्क' (Elon Musk) के नाम का इस्तेमाल कर एक महिला को निशाना बनाया गया। ईस्ट रीजन साइबर पुलिस स्टेशन ने 20 जनवरी को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और पहचान की चोरी (Impersonation) का मामला दर्ज किया है। पुलिस शिकायत के अनुसार, अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच पीड़िता को जाल में फंसाकर कुल 16.34 लाख रुपये की चपत लगाई गई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' से बिछाया जाल

ठगी की शुरुआत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' (पूर्व में ट्विटर) से हुई। आरोपी ने महिला को मैसेज कर खुद को असली 'एलन मस्क' बताया। अपनी बातों से महिला का भरोसा जीतने के बाद, आरोपी ने उसे चैटिंग के लिए एक दूसरा ऐप डाउनलोड करने को कहा। इसके बाद दोनों के बीच उस ऐप पर लगातार बातचीत होने लगी, जिससे महिला को यह विश्वास हो गया कि वह वास्तव में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के संपर्क में है।

अमेरिका में 'हाई-प्रोफाइल' जीवन का सपना

आरोपी ने पीड़िता को भावनात्मक रूप से अपने जाल में फंसाया। उसने महिला को अमेरिका बुलाने और वहां एक खुशहाल और विलासितापूर्ण (High-profile) जीवन देने का वादा किया। महिला आरोपी के झूठे वादों और सुनहरे भविष्य के सपनों में आ गई। ठग ने इसी विश्वास का फायदा उठाते हुए अपनी योजना के अगले चरण को अंजाम देना शुरू किया।

'जेम्स' के जरिए गिफ्ट कार्ड की मांग

वीजा और फ्लाइट टिकट की प्रक्रिया पूरी करने के बहाने फर्जी एलन मस्क ने महिला को 'जेम्स' नाम के एक शख्स से संपर्क करने को कहा। जेम्स ने खुद को मस्क का एजेंट बताया और कागजी कार्रवाई के नाम पर पैसों की मांग शुरू कर दी। उसने प्रक्रिया को तेज करने का हवाला देते हुए महिला से नगद के बजाय 'ऐमेजॉन गिफ्ट कार्ड' (Amazon Gift Cards) खरीदने और उनके कोड शेयर करने को कहा। किस्तों में महिला ने लाखों रुपये के गिफ्ट कार्ड आरोपियों को भेज दिए। ठगी का यह खेल तब खत्म हुआ जब जेम्स ने महिला से अचानक 2 लाख रुपये अतिरिक्त मांग लिए।

पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच जारी

ठगी का शिकार होने के बाद पीड़िता ने पूरी घटना की जानकारी अपने माता-पिता को दी, जिन्होंने उसे तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। शिकायत मिलने के बाद ईस्ट रीजन साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर मशहूर हस्तियों के नाम से आने वाले फर्जी मैसेज से सावधान रहें।

नाना पटोले ने की राहुल गांधी से मुलाकात

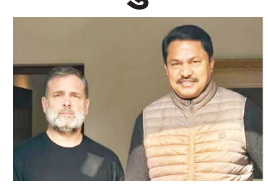

नई दिल्ली/मुंबई। राज्य के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता नाना पटोले ने शनिवार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। लंबे समय तक राज्य की राजनीति से दूर रहे पटोले, दिल्ली में इस मुलाकात के बाद राष्ट्रीय स्तर पर किसी बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा में हैं। हाल ही में नाना पटोले ने उत्तर प्रदेश का दौरा किया था, जिसे भी माना जा रहा है कि राहुल गांधी के निर्देश पर किया गया था। यह दौरा और दिल्ली में हुई मुलाकात राजनीतिक गलियारों में यह संकेत दे रहे हैं कि पटोले को कांग्रेस संगठन में जल्द ही नई भूमिका सौंपी जा सकती है। विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद, नाना पटोले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे से प्रदेश अध्यक्ष पद से हटने का अनुरोध किया था। इसके बाद हर्षवर्धन सपकाल प्रदेश अध्यक्ष बने।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सं.:– BSL-L-W-T-06-2026:- 1) कार्य का विवरण: विद्युतीकरण कार्य निम्नलिखित के संबंध में भाग ए–रावेर में ट्रैक मशीन साइडिंग के विकास के संबंध में; भाग बी –नेपानगर में ट्रैक मशीन साइडिंग के विकास के संबंध में; भाग सी– आरओबी के निर्माण के लिए पुराने एडीईएन कार्यालय के स्थानांतरण के कारण एडीईएन खंडवा कार्यालय के निर्माण के संबंध में; भाग डी– भुसावल मंडल में विभिन्न स्टेशनों/स्वचालित हटों पर डेटालॉगर, ईएलडी, फ्यूज अलार्म सिस्टम की निगरानी और एस एंड टी महत्वपूर्ण रखरखाव स्पेयर के भंडारण के लिए एक सामान्य कमरे के प्रावधान के संबंध में विद्युतीकरण का कार्य। 2) अनुमानित लागत: ₹1,45,00,275; 3) ऑनलाईन विड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय: 16.02.2026 को 15.00 बजे, 4) वेबसाईट विवरण: https://www.ireps.gov.in
BSL-07 व.मं.बि.इं. (सा.), भुसावल
टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे
सामग्री प्रबंधन विभाग ई-नीलामी बिक्री कार्यक्रम में संशोधन (Corrigendum)
जनवरी 2026 में स्थायी मार्ग (P. Way) एवं अन्य विभिन्न प्रकार के स्क्रैप की बिक्री हेतु अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम। कृपया इस कार्यालय की ई-नीलामी बिक्री सूचना संख्या S III / Auction Programme-1 / JAN-2026 दिनांक 11/12/2026 के संदर्भ में सूचित किया जाता है कि मौजूदा ई-नीलामी कार्यक्रमों के अतिरिक्त, जनवरी 2026 में निम्नलिखित मंडल के लिए P. Way स्क्रैप सामग्री के निपटान हेतु एक अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा:

डिपो	अतिरिक्त ई-नीलामी तिथि (जनवरी 2026)	प्रभारी मंडलीय अधिकारी	संपर्क क्रमांक
प्रतापनगर	29.01.2026	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – प्रतापनगर	0265-2658858 /09724-045550

उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी। अधिक जानकारी हेतु कृपया Western Railway की सामग्री प्रबंधन विभाग की वेबसाइट wr.indianrailways.gov.in तथा www.ireps.gov.in ई-नीलामी पोर्टल देखें। 1045
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फालो करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
पुलों की पिटेड बेड प्लेट का प्रतिस्थापन
उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन) – दादर, पश्चिम रेलवे निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा सूचना क्रमांक: DYCE-BR-DDR-2026-01 दिनांक: 21.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम: पुल संख्या 192UP, 192DN, 228UP, 228DN, 264UP, 264DN, 336UP, 336DN, 339UP, 339DN, 340UP, 340DN, 411UP एवं 411DN की पिटेड बेड प्लेट का प्रतिस्थापन तथा सापहाले–सूरत सेक्शन में SSE (ब्रिज) वलसाड के अंतर्गत C.C. क्रिब की आपूर्ति, निर्माण एवं गैल्वनाइजेशन का कार्य, मुंबई सेंट्रल मंडल में। कार्य की अनुमानित लागत: 1,59,23,449.89/- EMD : 2,29,600/- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 17.02.2026 को 15:00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 17.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर विजिट करें। 1047
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
पुलों पर साइड पाथवे उपलब्ध कराने का कार्य
उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन)–दादर, पश्चिम रेलवे, निविदा सूचना क्रमांक: DYCE-BR-DDR-2026-02 दिनांक: 21.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम: मुंबई मंडल के अंतर्गत SSE (ब्रिज) वलसाड के अधिकार क्षेत्र में आने वाले साफाले–सूरत सेक्शन में ब्रिज नं. 325DN,332DN,440 (थर्ड लाइन),440 (शू. नेक) 442 (थर्ड लाइन),445 (थर्ड लाइन)। आदि पुलों पर साइड पाथवे उपलब्ध कराने का कार्य: कार्य की अनुमानित लागत: 1,75,35,319.43/- ईएमडी (जमानत राशि): 2,37,700/- ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 17.02.2026 को 15.00 बजे तक (ऑनलाइन) ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 17.02.2026 को 15.30 बजे (नोट: सूचना में 17.02.2025 मुद्रित है, जो संभवतः टंकण त्रुटि है।) अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 1046
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
भंडार विभाग
फरवरी 2026 के दौरान ई-नीलामी बिक्री पी-वे एवं अन्य विभिन्न प्रकार के स्क्रैप हेतु
विशेष सूचना : सभी स्टील क्रेताओं एवं री-रोलर्स के लिए
पश्चिम रेलवे द्वारा पी-वे स्क्रैप, रेल स्क्रैप तथा अन्य विभिन्न प्रकार की स्क्रैप सामग्री के निपटान हेतु सार्वजनिक ई-नीलामी का आयोजन फरवरी 2026 में किया जाएगा। उक्त ई-नीलामी नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।

पहला राउंड	दूसरा राउंड	डिपो/ मंडल	प्रभारी अधिकारी	संपर्क नं.
03/02/2026	16/02/2026	रतलाम	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – रतलाम	07412230080 09752492750
04/02/2026	17/02/2026	वडोदरा	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – वडोदरा	02652641592 09724091750
05/02/2026	18/02/2026	प्रतापनगर	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – प्रतापनगर	02652658858 09724093750
06/02/2026	20/02/2026	साबरमती	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – साबरमती	02812476943 09724094770
06/02/2026	23/02/2026	दाहोद	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – दाहोद	02673241295 09724090455
09/02/2026	24/02/2026	मुंबई सेंट्रल	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – मुंबई सेंट्रल	022-23094142 09004499006
09/02/2026	25/02/2026	अहमदाबाद	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – अहमदाबाद	07922205888 09724093750
10/02/2026	26/02/2026	राजकोट	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – राजकोट	02812476943 09724094770
11/02/2026	27/02/2026	भावनगर	वरिष्ठ मंडलीय सामग्री प्रबंधक – भावनगर	02782444360 09724097750
17/02/2026	27/02/2026	महालक्ष्मी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – महालक्ष्मी	022-24929571 09004495750
17/02/2026	27/02/2026	पारडी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – महालक्ष्मी	022-24929571 09004495750

विस्तृत जानकारी हेतु संबंधित डिपो / मंडलीय अधिकारियों से संपर्क करें।
नोट :1. रेलवे को किसी भी लॉट को ई-नीलामी से हटाने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है।
2. ई-नीलामी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तय समय पर प्रारंभ होगी।
3. ई-नीलामी की कैटलॉग www.ireps.gov.in की ई-नीलामी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी।
4. ई-नीलामी, डिजिटल सिग्नेचर, पंजीकरण प्रक्रिया एवं भागीदारी से संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता हेतु उपर्युक्त उल्लेखित संबंधित डिपो / मंडलीय अधिकारियों से संपर्क करें।
5. सभी भुगतान लेन-देन केवल ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के माध्यम से किए जाएंगे।
(सं. S/SIII/Auction Programme-1/FEB 2026, दिनांक 07.01.2026) 1050
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फालो करें: X.com/WesternRly

संपादकीय

सिद्धांतहीन राजनीति का दौर

वर्तमान राजनीति 'विचारधारा' के संघर्ष से निकलकर 'विजेता' बनने की अंधी दौड़ में तब्दील हो चुकी है। जहां कभी सिद्धांतों के लिए सत्ता को ठोकर मार देना राजनीति का सर्वोच्च सम्मान था, वहीं आज सत्ता के लिए सिद्धांतों की बलि चढ़ाना एक आम 'रणनीति' बन गई है। दलबदल और अनैतिक गठबंधनों को अब 'मास्टरस्ट्रोक' कहा जाता है। लेकिन राजनीति के इन आधुनिक खिलाड़ियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता का मद अक्सर विवेक को लील जाता है, जबकि इतिहास का फैसला हमेशा निष्ठुर होता है। इतिहास गवाह है कि सत्ता किसी की स्थायी जागीर नहीं रही। आज के राजनेता जिस वैभव और प्रोटोकॉल के लिए मूल्यों का सौदा कर रहे हैं, वह रेत के महल की तरह ढहने के लिए अभिशप्त है। इतिहास के पन्ने ऐसे उदाहरणों से भरे हैं जहां अहंकार ने बड़े साम्राज्यों का अंत कर दिया। रावण का ज्ञान और उसकी सोने की लंका भी उसके 'अहं' को न्याय से नहीं बचा सकी। औरंगजेब की सत्ता की भूख ने उसके जीते-जी ही मुगल साम्राज्य के पतन की पटकथा लिख दी थी। हिटलर और मुसोलिनी का अंत सिखाता है कि दमन पर खड़ा किला कभी सुरक्षित नहीं रहता। भारतीय दर्शन का शाश्वत सिद्धांत है कि 'कभी आम के पेड़ पर कटहल नहीं लगते'। यह प्रकृति का अटल नियम है कि आप जो बोएंगे, वही काटेंगे। राजनीति में यदि आज छल, कपट और नफरत के बीज बोए जा रहे हैं, तो भविष्य में उससे सद्भाव और विकास की फसल की उम्मीद करना व्यर्थ है। जो राजनेता शक्ति के दुरुपयोग से विरोधियों का दमन कर रहे हैं, वे अपने ही भविष्य के लिए कांटों की सेज तैयार कर रहे हैं। कर्म का फल निश्चित है; न्याय की चक्की जब चलती है, तो वह बहुत बारीक पीसती है। राजनेता अक्सर मान बैठते हैं कि जनता की याददाश्त कमजोर है और वे जोड़-तोड़ से इतिहास को झुका देंगे। लेकिन नियति का लेखा-जोखा स्पष्ट होता है। सत्ता के गलियारों के जयकारे अक्सर कड़वे सच को छिपा लेते हैं। अनैतिक समझौतों से ऊंचे पदों पर बैठे नेताओं को याद रखना चाहिए कि उनकी विरासत उनके पद से नहीं, बल्कि उनके चरित्र से मापी जाएगी। जब कोई अपने स्वार्थ के लिए संवैधानिक मर्यादाओं को नुकसान पहुंचाता है, तो वह वास्तव में उस डाल को काट रहा होता है जिस पर वह खुद बैठा है। आजकल राजनीति में 'साम-दाम-दंड-भेद' को सफलता का मंत्र माना जाता है। लेकिन अनैतिकता की नींव पर खड़ा साम्राज्य कभी स्थायी नहीं होता। जो नेता जनता की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं, वे नियति को चुनौती दे रहे हैं। बबूल बोने वाला कभी आम की मिठास का आनंद नहीं ले सकता। जिस प्रकार किसान अपने बीजों के प्रति उत्तरदायी है, राजनेता भी अपने बोए गए वैचारिक बीजों के लिए जवाबदेह है। मूल्यों की हत्या करके हासिल की गई जीत वास्तव में एक छिपी हुई हार ही होती है। शक्ति का अहंकार व्यक्ति को अंधा बना देता है, जिससे उसे अपना पतन नहीं दिखता। लेकिन नियति का न्याय किसी पद या रसूख का मोहताज नहीं होता। कर्मों की अदृश्य लेखा-बही में हर छल और अवसरवाद दर्ज हो रहा है। अंत समय में न तो ये पद काम आएंगे, न ही वह धन जिसके लिए नैतिकता को ताक पर रखा गया। अंततः, आम के पेड़ पर कटहल कभी नहीं उगेंगे और मूल्यों के बिना कोई राजनेता महान नहीं बनेगा। अंत में केवल सत्य और सुकृत ही बचते हैं, बाकी सब समय की धूल में विलीन हो जाता है।

बचपन के मौलिक विकास पर मंडराता संकट

अमित बृज
कार्यकारी संपादक

अक्सर देखा गया है कि अपनी व्यस्तता से बचने के लिए या बच्चे को खाना खिलाते समय उसे शांत रखने के लिए माता-पिता खुद उसके हाथ में फोन थमा देते हैं। यह तात्कालिक राहत बच्चे के भविष्य के लिए एक दीर्घकालिक क्षति बन जाती है। बच्चों के लिए डिजिटल डाइट प्लान तैयार करना अब एक विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता है। घर के भीतर कुछ क्षेत्रों को अनिवार्य रूप से फोन-मुक्त घोषित करना होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि माता-पिता को खुद एक 'डिजिटल रोल मॉडल' बनना होगा। यदि घर के बड़े हर कुछ मिनटों में अपना नोटिफिकेशन चेक करेंगे, तो वे बच्चों से संयम की उम्मीद कभी नहीं कर पाएंगे।

आज की आधुनिक सभ्यता जिस चौराहे पर खड़ी है, वहां तकनीक उन्नति और विकास का सबसे बड़ा मापदंड बन चुकी है। लेकिन इस तथाकथित प्रगति की सबसे भारी कीमत हमारा भविष्य यानी हमारे बच्चे चुका रहे हैं। किसी ज़माने में जिस बचपन की पहचान धूल, पसीने और खेल के मैदानों की खिलखिलाहट से होती थी, वह आज एक छह इंच की चमकदार और कृत्रिम स्क्रीन में सिमट कर रह गया है। जिसे हम शुरुआत में 'स्मार्ट' होने की निशानी समझकर बढ़ावा दे रहे थे, वह वास्तव में एक ऐसी डिजिटल अफीम साबित हो रही है जिसने हमारी भावी पीढ़ी को एक अदृश्य गिरफ्त में ले लिया है। यह केवल समय की बर्बादी का मामला नहीं है, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के मानसिक और शारीरिक ढांचे के साथ होने वाला खिलवाड़ है।

वर्ष 2025-26 के वैश्विक सर्वेक्षणों ने जो आंकड़े पेश किए हैं, वे खतरे की घंटी नहीं बल्कि एक बड़े संकट का स्पष्ट सायरन हैं। यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्टों के अनुसार दुनिया भर में पांच से पंद्रह वर्ष की आयु के बच्चों का औसत स्क्रीन टाइम बढ़कर प्रतिदिन छह से सात घंटे के पार पहुंच गया है। भारत के संदर्भ में यह स्थिति और भी भयावह है क्योंकि यहां स्मार्टफोन की सुलभता ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सीमाओं को तोड़ दिया है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान (NIMHANS) के ताजा अध्ययन बताते हैं कि भारत में लगभग बाइस प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन एडिक्शन के उस खतरनाक स्तर पर हैं जहां उन्हें फोन से दूर करने पर उनमें हिंसक व्यवहार और चिड़चिड़ापन देखा जा रहा है। यह एक ऐसी मानसिक स्वास्थ्य आपदा है जिसकी जड़ें बहुत गहरी हो चुकी हैं। शोध बताते हैं कि जो बच्चे प्रतिदिन पांच घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं, उनमें अवसाद और एंग्जायटी का जोखिम उन बच्चों की तुलना में सत्तर प्रतिशत तक अधिक होता है जो तकनीक का सीमित उपयोग करते हैं। मनोवैज्ञानिकों का स्पष्ट मानना है कि मोबाइल की यह लत बच्चों के मस्तिष्क की प्राकृतिक संरचना को ही बदल रही है। जब कोई बच्चा घंटों तक फोन पर गेम खेलता है या सोशल मीडिया की रंगीन रील्स देखता है, तो उसके मस्तिष्क में डोपामिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर का अत्यधिक रिसाव होता है। यह बिल्कुल वैसी ही प्रक्रिया है जैसी किसी नशीले पदार्थ के सेवन के दौरान होती है। इसके परिणामस्वरूप बच्चों में एकाग्रता का भारी अभाव देखा जा रहा है। पंद्रह से तीस सेकंड के वीडियो देखने की आदत ने उनके धैर्य को इस कदर खत्म कर दिया है कि वे अब लंबी कहानियाँ सुनने, जटिल गणितीय समस्याओं को हल करने

या किसी एक विषय पर ध्यान केंद्रित करने में खुद को पूरी तरह अक्षम महसूस करने लगे हैं। संज्ञानात्मक विकास की इस सुस्ती का सीधा असर उनके निर्णय लेने और तर्क करने की क्षमता पर पड़ रहा है। इतना ही नहीं, वर्चुअल दुनिया के कृत्रिम संवाद ने उन्हें वास्तविक सामाजिक संबंधों से काट दिया है, जिससे उनमें सहानुभूति और दूसरों की भावनाओं को समझने जैसी मानवीय संवेदनाएं कम होती जा रही हैं। दुनिया के कई देशों ने इस खतरे की गंभीरता को समझते हुए कड़े नीतिगत बदलाव किए हैं। चीन ने नाबालिगों के लिए ऑनलाइन गेमिंग के समय को सप्ताह में केवल तीन घंटे तक सीमित कर दिया है और रात के समय गेमिंग सर्वर पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। फ्रांस और नीदरलैंड जैसे देशों ने स्कूलों के भीतर स्मार्टफोन के इस्तेमाल को पूरी तरह वर्जित कर दिया है ताकि शैक्षणिक माहौल और शारीरिक गतिविधियों को बचाया जा सके। नॉर्डिक देशों में अब डिजिटल डिटॉक्स कैंपों का चलन बढ़ रहा है जहाँ बच्चों को प्रकृति के सानिध्य में रखकर उनकी स्क्रीन पर निर्भरता कम की जाती है। भारत के लिए भी अब वह समय आ गया है जब हमें 'उपयोग' और 'लत' के बीच एक स्पष्ट और सख्त रेखा खींचनी होगी। समस्या का समाधान केवल तकनीक पर प्रतिबंध लगाने में नहीं, बल्कि अभिभावकों के अपने आचरण को बदलने में भी निहित है। अक्सर देखा गया है कि अपनी व्यस्तता से बचने के लिए या बच्चे को खाना खिलाते समय उसे शांत रखने के लिए माता-पिता खुद उसके हाथ में फोन थमा देते हैं। यह तात्कालिक राहत बच्चे के भविष्य के लिए एक दीर्घकालिक क्षति बन जाती है। बच्चों के लिए डिजिटल डाइट प्लान तैयार करना अब एक विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता है। घर के भीतर कुछ क्षेत्रों को अनिवार्य रूप से फोन-मुक्त घोषित करना होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि माता-पिता को खुद एक 'डिजिटल रोल मॉडल' बनना होगा। यदि घर के बड़े हर कुछ मिनटों में अपना नोटिफिकेशन चेक करेंगे, तो वे बच्चों से संयम की उम्मीद कभी नहीं कर पाएंगे। हमें बच्चों को फिर से मिट्टी, मैदान और कहानियों की किताबों की जादुई दुनिया की ओर मोड़ना होगा। रचनात्मक शौक जैसे पेंटिंग, संगीत, बागवानी और शारीरिक खेलों को उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा ताकि उन्हें आभासी मनोरंजन की आवश्यकता ही न पड़े। स्मार्टफोन मानवता का एक महान आविष्कार हो सकता है, लेकिन इसे हमारा मालिक नहीं बल्कि सेवक ही रहना चाहिए। यदि आज हमने सामूहिक प्रयास करके बच्चों के हाथों से स्क्रीन छीनकर उन्हें उनका नैसर्गिक बचपन वापस नहीं दिया, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार करेंगे जो डेटा से तो भरपूर होगी लेकिन जिसमें मानवीय संवेदनाएं और मानसिक स्थिरता का पूर्ण अभाव होगा। समय तेजी से बीत रहा है और यह समाज, परिवार और सरकार की साझी जिम्मेदारी है कि हम अपनी भावी पीढ़ी को इन डिजिटल बेड़ियों से आजाद कराएं।

जीवन मंत्र

सफर : रास्तों से जीवन तक

सफर हमें सिखाता है कि हर मोड़ नया अवसर लेकर आता है। मंजिल भले ही महत्वपूर्ण हो, लेकिन असली आनंद रास्ते में छिपा होता है। इसीलिए हर सफर, चाहे छोटा हो या लंबा, हमें बेहतर इंसान बनाकर लौटाता है और जीवन को नई दिशा देता है।

सफर केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह स्वयं से मिलने की यात्रा भी है। जब हम घर की परिचित दीवारों से बाहर निकलते हैं, तब मन की जड़ता टूटती है और सोच को नया आकाश मिलता है। हर सफर हमें यह सिखाता है कि जीवन ठहराव में नहीं, बल्कि निरंतर गति में सार्थक होता है। रास्ते में बदलते दृश्य, अनजान चेहरे और नई परिस्थितियां हमारे भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करती हैं। सफर हमें धैर्य और स्वीकार्यता का पाठ पढ़ाता है। ट्रेन की देरी, रास्ते की थकान या मौसम की अनिश्चितता हमें यह समझाती है कि हर चीज हमारे नियंत्रण में नहीं होती। ऐसे क्षणों में हम सीखते हैं कि परिस्थितियों से लड़ने के बजाय उन्हें समझना और अपनाना भी जीवन का हिस्सा है। यही अनुभव हमें भीतर से मजबूत बनाता है और विपरीत हालात में संतुलन बनाए रखना सिखाता है। हर सफर अनुभवों का शिक्षक होता है। नए शहरों की संस्कृति, लोगों की भाषा और उनकी जीवनशैली हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है। जब हम दूसरों के जीवन को करीब से देखते हैं, तब अपने जीवन के प्रति कृतज्ञता भी बढ़ती है। सफर हमें यह एहसास कराता है कि दुनिया बड़ी है और हमारी समस्याएं उतनी विशाल नहीं जितनी हम सोचते हैं। यह बोध मन को हल्का और आत्मा को मुक्त करता है। सबसे बड़ी बात यह है कि सफर हमें परिवर्तन के लिए तैयार करता है। जैसे रास्ते बदलते हैं, वैसे ही जीवन में भी मोड़ आते हैं। सफर हमें सिखाता है कि हर मोड़ नया अवसर लेकर आता है। मंजिल भले ही महत्वपूर्ण हो, लेकिन असली आनंद रास्ते में छिपा होता है। इसीलिए हर सफर, चाहे छोटा हो या लंबा, हमें बेहतर इंसान बनाकर लौटाता है और जीवन को नई दिशा देता है।

शख्सियत

माइकल मधुसूदन दत्त

आधुनिकता का अग्रदूत

माइकल मधुसूदन दत्त का जन्म 25 जनवरी 1824 को ब्रिटिश भारत के जेल्लोर जिले के सागर्डारी गांव में हुआ था। यह वही समय था जब भारतीय समाज परंपरा और नवचेतना के बीच मंथन के दौर से गुजर रहा था। वे एक शिक्षित कायस्थ परिवार में जन्मे, जहां पिता राजनारायण दत्त अंग्रेजी शिक्षा और आधुनिक विचारों के समर्थक थे तथा माता जाह्नवी देवी संस्कार और धार्मिक आस्था की प्रतीक थीं।

इस पारिवारिक वातावरण ने मधुसूदन के भीतर एक साथ विद्रोह और विवेक, आकांक्षा और आत्मचिंतन को जन्म दिया। बचपन से ही वे साधारण जीवन से असंतुष्ट थे और कुछ अलग, कुछ बड़ा रचने की बेचैनी उनके स्वभाव में दिखाई देती थी। यही बेचैनी आगे चलकर उन्हें परंपराओं की सीमाएं लांघने वाला कवि बनाती है। उनकी शिक्षा यात्रा भी इसी असंतोष और खोज की कहानी है। प्रारंभिक पढ़ाई के बाद वे कलकत्ता पहुंचे और हिंदू कॉलेज में अध्ययन किया, जो उस समय नवजागरण का प्रमुख केंद्र था। यहां पश्चिमी साहित्य, ग्रीक-रोमन विचारधारा और आधुनिक दर्शन ने उनके मन को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने बिशप कॉलेज में ग्रीक और लैटिन भाषाएं सीखीं और कई भाषाओं पर अधिकार प्राप्त किया। प्रारंभ में मधुसूदन अंग्रेजी में साहित्य रचना कर विश्व स्तर पर पहचान बनाना चाहते थे, लेकिन समय के साथ उन्हें यह बोध हुआ कि उनकी सच्ची अभिव्यक्ति की भूमि उनकी मातृभाषा बंगला है। यह आत्मबोध उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ, जहां से उन्होंने अपनी भाषा और समाज को नई दृष्टि देने का संकल्प लिया। माइकल मधुसूदन दत्त की साहित्यिक उपलब्धियां उन्हें अमर बना देती हैं। उन्होंने बंगाली कविता को परंपरागत छंदों और धार्मिक रूढ़ियों से मुक्त कर आधुनिक भावबोध से जोड़ा। बंगाली साहित्य में अमित्राक्षर छंद का प्रयोग कर उन्होंने काव्य अभिव्यक्ति को नई स्वतंत्रता दी। उनका महाकाव्य मेघनादबध काव्य न केवल एक साहित्यिक कृति है, बल्कि दृष्टिकोण की क्रांति भी है, जिसमें उन्होंने परंपरागत नायक-खलनायक की धारणाओं को चुनौती दी। मेघनाद जैसे पात्र को मानवीय गरिमा के साथ प्रस्तुत करना उस समय एक साहसिक साहित्यिक प्रयोग था। शर्मिष्ठा जैसे नाटकों के माध्यम से उन्होंने बंगाली रंगमंच को भी आधुनिकता और बौद्धिक गहराई प्रदान की। वे ऐसे कवि थे, जिन्होंने साहित्य को केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि विचार और आत्मसंघर्ष का माध्यम बनाया। समाज में माइकल मधुसूदन दत्त का योगदान दूरगामी और प्रेरक है। वे बंगाल नवजागरण के उन अग्रदूतों में थे, जिन्होंने आत्म-अभिव्यक्ति, बौद्धिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को स्वर दिया। व्यक्तिगत जीवन में उन्होंने आर्थिक तंगी, उपेक्षा और मानसिक संघर्ष झेले, लेकिन उनकी रचनात्मक ऊर्जा कभी क्षीण नहीं हुई। आज वे आधुनिक बंगाली साहित्य के स्तंभ माने जाते हैं और उनकी कृतियां आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती हैं कि सच्चा रचनाकार परिस्थितियों का गुलाम नहीं होता। 29 जून 1873 को कलकत्ता में उनका निधन हो गया, लेकिन उनका साहित्य आज भी जीवित है। माइकल मधुसूदन दत्त का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि परंपरा का सम्मान करते हुए भी उसे प्रश्नों के कठोर प्रकाश में रखा जा सकता है, और यही साहस किसी भी समाज को आगे ले जाता है।

जीवन ऊर्जा

वर्जीनिया वुल्फ : जन्म 25 जनवरी 1882

जन्म

वर्जीनिया वुल्फ का जन्म 25 जनवरी 1882 को लंदन में हुआ था। वे आधुनिक अंग्रेजी साहित्य की सबसे प्रभावशाली लेखिकाओं में गिनी जाती हैं। उपन्यास लेखन में उन्होंने स्ट्रीम ऑफ कॉन्शसनेस शैली को नई ऊंचाई दी। मिसेज डैलोवे, टू द लाइटहाउस और ऑरलैंडो उनकी प्रमुख कृतियां हैं।

किताबें आत्मा का आईना होती हैं।

एक स्त्री को लिखने के लिए पैसे और अपना एक कमरा चाहिए। आप चाहें तो पुस्तकालयों पर ताले लगा दें, लेकिन मेरे मन की स्वतंत्रता पर कोई ताला नहीं लगा सकते। अच्छा सोचने, अच्छा प्रेम करने और अच्छी नींद के लिए अच्छा भोजन जरूरी है। किताबें आत्मा का आईना होती हैं। जो भी टुकड़े जीवन देता है उन्हें सहेज कर रखो। हर व्यक्ति के भीतर उसका अतीत बंद रहता है जैसे किताब के पन्ने। कथा जीवन से जुड़ा एक जाला है जो हल्का होकर भी मजबूत होता है। जब तक आप स्वयं से सच नहीं कहते, तब तक दूसरों से भी सच नहीं कह सकते। मैं बार-बार गढ़ी और बदली जाती हूं। मानव स्वभाव की सबसे बड़ी विशेषता विश्वास करने की क्षमता है। विदेशी भाषा में हास्य सबसे पहले मर जाता है। इतिहास में अधिकतर समय 'अनाम' एक स्त्री थी। एक स्त्री के रूप में मेरा कोई देश नहीं। कोई घटना तब तक पूरी नहीं होती जब तक वह लिखी न जाए। हमें कविता पढ़नी और लिखनी चाहिए क्योंकि हम मनुष्य हैं। दूसरों की नजरें हमारी जेल हैं और उनके विचार हमारे पिंजरे। लेखक की आत्मा उसके कार्यों में साफ दिखाई देती है। जीवन ठोस नहीं बल्कि तरल होता है। भविष्य अंधकारमय है और यही उसकी सुंदरता है। विचार की उड़ान ही स्वतंत्रता है। साधारण क्षणों में ही जीवन छिपा होता है। मौन भी एक भाषा है। समय आत्मा पर निशान छोड़ता है। स्त्री को परिभाषित करना असंभव है। रचनात्मकता साहस मांगती है। जीवन को समझने के लिए उसे महसूस करना जरूरी है।

स्वतंत्र मन सबसे बड़ा धन है। शब्द ही स्मृति को जीवित रखते हैं। अकेलापन भी रचनात्मक हो सकता है। विचारों की स्वतंत्रता ही सच्ची क्रांति है। आप जो महसूस करते हैं वही आपका जीवन है; वह आपके शब्दों और कथाओं में ढलता है। सृजनशीलता अकेलेपन और ध्यान की मांग करती है, न कि प्रशंसा की। सच्चाई कभी भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं होती; हम उसे केवल अनुभव और निरीक्षण के माध्यम से महसूस कर सकते हैं। अतीत को याद रखना और वर्तमान को समझना ही हमारी पहचान बनाता है। हर महिला के भीतर अनकही कहानियां होती हैं, और उन्हें शब्दों में ढालना ही उसकी स्वतंत्रता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

सनातन संस्कृति में चरण-स्पर्श की मर्यादा

सनातन धर्म की संस्कृति में चरण-स्पर्श केवल शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि श्रद्धा, सम्मान और विनम्रता का प्रतीक माना जाता है। शास्त्रों में यह स्पष्ट किया गया है कि जिनसे हम ज्ञान, संस्कार, संरक्षण या आशीर्वाद प्राप्त करते हैं, उनके चरण स्पर्श करने से अहंकार का क्षय और सद्भावना का विकास होता है। गुरु, माता-पिता, संत और वरिष्ठजन इस श्रेणी में आते हैं। किंतु सनातन परंपरा में यह भी उतना ही स्पष्ट है कि हर व्यक्ति के पैर छूना पुण्य नहीं होता। कुछ स्थितियों और कुछ संबंधों में चरण-स्पर्श वर्जित माना गया है, क्योंकि वहां श्रद्धा की मर्यादा का उल्लंघन होता है। शास्त्रों के अनुसार कुंवारी कन्याओं को किसी के पैर नहीं छूने चाहिए। यदि कोई कुंवारी कन्या आपके पैर छूने का प्रयास करे, तो उसे रोकना चाहिए, अन्यथा दोष लगता है। सनातन परंपरा में कुंवारी कन्या को देवी का स्वरूप माना गया है। इसलिए छोटी बच्चियों और कन्याओं के तो स्वयं पैर छूकर आशीर्वाद लेना चाहिए। इसी कारण किसी भी पिता को अपनी बेटियों से पैर नहीं छुआना चाहिए और बेटियों को भी पिता के पैर नहीं छूने चाहिए। बेटी देवी तुल्य मानी जाती है और देवी से चरण स्पर्श कराना शास्त्रसम्मत नहीं है। मंदिर में चरण-स्पर्श को लेकर भी स्पष्ट मर्यादा है। यदि आप मंदिर में हैं और वहां कोई बड़े बुजुर्ग या सम्मानित व्यक्ति मिल जाए, तो पहले भगवान को प्रणाम करना चाहिए। मंदिर में भगवान से बड़ा कोई नहीं होता। भगवान के सामने किसी के पैर छूना ईश्वर का अपमान माना गया है। इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति पूजा कर रहा हो, चाहे घर में या मंदिर में, उस समय उसके पैर छूना वर्जित है। इससे पूजा में बाधा उत्पन्न होती है और दोनों को दोष लगता है। पूजा की अवस्था में व्यक्ति ईश्वर से जुड़ा होता है, न कि सामाजिक सम्मान की प्रक्रिया में। सनातन परंपरा में सोए या लेटे हुए व्यक्ति के पैर छूना भी निषिद्ध माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इससे उस व्यक्ति की आयु घटती है। केवल मृत व्यक्ति के चरण छूने की परंपरा है, क्योंकि वह अंतिम विदाई और श्रद्धांजलि का प्रतीक है। जीवित व्यक्ति के सोते समय चरण स्पर्श करना ऊर्जा प्रवाह को बाधित करने वाला माना गया है। श्मशान से जुड़ी मर्यादाएं भी अत्यंत स्पष्ट हैं। यदि कोई सम्मानित व्यक्ति या बड़े बुजुर्ग श्मशान घाट से लौट रहे हों, तो उस समय उनके पैर नहीं छूने चाहिए। अंतिम संस्कार से लौटने पर व्यक्ति अशुद्ध अवस्था में होता है। स्नान और शुद्धि के बाद ही चरण स्पर्श किया जा सकता है। इसी प्रकार श्मशान घाट में किसी के पैर नहीं छूने चाहिए। यह स्थान शोक और वैराग्य का होता है, न कि सामाजिक सम्मान प्रदर्शन का। अशुद्धि की अवस्था में भी चरण-स्पर्श वर्जित है। यदि आप स्वयं अशुद्ध हैं या जिनके पैर छूने जा रहे हैं वे अशुद्ध हैं, तो दोनों ही स्थितियों में चरण-स्पर्श नहीं करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार इससे दोनों को हानि होती है, क्योंकि शुद्धि और श्रद्धा का संतुलन टूट जाता है। रिश्तों में भी मर्यादा निर्धारित है। भांजा या भांजी को मामा-मामी के पैर नहीं छूने चाहिए, क्योंकि भांजा-भांजी पूजनीय माने जाते हैं। ऐसे में मामा-मामी को दोष लगता है। इसी प्रकार पति-पत्नी का संबंध अत्यंत पवित्र और साझेदारी का होता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

राज्यपाल ने पूरा भाषण ना पढ़कर संविधान का उल्लंघन किया है। राज्यपाल का व्यवहार एक कठपुतली जैसा ही था। गवर्नर गहलोत ने संविधान के अनुसार अपनी जिम्मेदारी का पालन नहीं किया। हम उनके इस व्यवहार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

-सिद्धारमैया
सीएम, कर्नाटक

संतों और महापुरुषों का अपमान किया जा रहा है, चाहे वह महात्मा गांधी हों, रवींद्रनाथ टैगोर हों, नेताजी सुभाष चंद्र बोस हों, या बाबासाहेब अंबेडकर हों। उनके और भाषा के प्रति असहिष्णुता, आपत्तिजनक टिप्पणियां, कृतघ्नता और अनादर बढ़ रहे हैं।

-ममता बनर्जी
सीएम, पश्चिम बंगाल

जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम तक नहीं है, गिनेंगे क्या ? जातिगत जनगणना भी भाजपा का जुमला है। भाजपा का सीधा फ़ार्मूला है, न गिनती होगी, न आनुपातिक आरक्षण-अधिकार देने का जनसांख्यिकीय आधार बनेगा।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

महाराष्ट्र की राजनीति गुलामों का बाजार बन चुकी है। कल्याण-डोंबिवली में जो हुआ, वह बेहद घिनौना है। यह सब आखिर जा कहां रहा है?राजनीति में कभी-कभी लचीला होना पड़ता है।

-राज ठाकरे
अध्यक्ष, मनसे

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

2400 एमएम पानी की मुख्य लाइन डायवर्ट

मुंबई। मुंबई मेट्रो लाइन 7ए के निर्माण में एक बड़ी सफलता मिली है। एमएमआरडीए ने 2400 मिलीमीटर व्यास वाली अपर वैतरणा वॉटर लाइन को सावधानीपूर्वक डायवर्ट कर दिया है। यह पाइपलाइन मुंबई शहर को पानी सप्लाई करने वाली महत्वपूर्ण लाइन है, जो मेट्रो कॉरिडोर के रास्ते में आने के कारण दूसरी जगह शिफ्ट करना जरूरी था। इस काम को समयसीमा के भीतर पूरा किया गया और शहर में पानी की सप्लाई सामान्य रूप से बहाल रही, हालांकि कुछ इलाकों में अस्थायी रूप से लो प्रेशर या बदलाव महसूस हुए। इस जटिल ऑपरेशन के लिए बीएमसी के कई विभागों के साथ एमएमआरडीए ने मिलकर काम किया। इसमें प्लानिंग डिवीजन, आउटसाइड सिटी (ट्रंक मेन्स), हाइड्रोलिक इंजीनियर का ऑफिस और के/ईस्ट वार्ड शामिल थे। सभी विभागों के बीच बेहतरीन तालमेल रहा, जिससे कोई अनावश्यक देरी या समस्या नहीं आई। इस समन्वय ने मेट्रो प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेट्रो लाइन 7ए दहिसर से छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक सीधी कनेक्टिविटी देगी और ट्रैफिक जाम को कम करेगी। पानी की पाइपलाइन डायवर्जन जैसी जटिल इंजीनियरिंग चुनौती को हल करने के बाद अब टनलिंग, स्टेशन निर्माण और अन्य कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे। एमएमआरडीए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा की, जिससे मुंबईवासियों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन की उम्मीद बढ़ी है।

हज़ूर साहिब–पुणे एक्सप्रेस का टर्मिनल बदला

पुणे। सेंट्रल रेलवे के पुणे डिवीज़न ने जानकारी दी है कि टर्मिनल शिफ्ट किए जाने के कारण ट्रेन नंबर 17630 हज़ूर साहिब नांदेड़–पुणे एक्सप्रेस अब पुणे स्टेशन के बजाय हडपसर (HDP) स्टेशन पर सुबह 04:35 बजे पहुंचेगी, और यह बदलाव 26 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा। हडपसर पहुंचने वाले यात्रियों को पुणे स्टेशन जाने के लिए ट्रेन नंबर 11422 सोलापुर–पुणे DEMU की सुविधा उपलब्ध होगी, जो हडपसर से 05:25 बजे रवाना होती है। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे टर्मिनल में हुए इस बदलाव को ध्यान में रखते हुए अपनी आगे की यात्रा की योजना बनाएं।

राज्य हज निरीक्षकों के लिए दो-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

ऑपरेशनल प्रोटोकॉल, समन्वय प्रणाली और कल्याणकारी उपायों की दी जाएगी जानकारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य हज इंस्पेक्टरों (एसएचआई) के लिए मुंबई के हज हाउस में आज से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। 24 और 25 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र का मुख्य उद्देश्य एसएचआई को सऊदी अरब में आगामी हज यात्रा के दौरान उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए पूरी तरह तैयार करना है। यह कार्यक्रम निरीक्षकों को ऑपरेशनल प्रोटोकॉल और जमीनी चुनौतियों से परिचित कराएगा, ताकि भारतीय हज यात्रियों को सुचारू सुविधा और प्रभावी सहायता सुनिश्चित की जा सके।

डिजिटल निगरानी और समापन

इस प्रशिक्षण में आवास, परिवहन प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया और शिकायत निवारण के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग पर विस्तृत सत्र शामिल हैं। सऊदी अधिकारियों के साथ समन्वय और प्रभावी निगरानी भी इसके प्रमुख एजेंडे में है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम कल, 25 जनवरी को संवाद सत्र और चर्चाओं के साथ संपन्न होगा, जिसका लक्ष्य राज्य हज इंस्पेक्टरों की तैयारियों को और मजबूत करना है।

सेवा-भाव और सतर्कता का मंत्र

उद्घाटन सत्र में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्र शेखर कुमार ने हज यात्रियों के सुरक्षित और गरिमापूर्ण अनुभव को सुनिश्चित करने में एसएचआई की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने निरीक्षकों से आग्रह किया कि वे सऊदी अरब में अपने प्रवास के दौरान धैर्य, सतर्कता और सेवा-उन्मुख रवैया अपनाएं। सचिव ने जोर दिया कि हाजियों की सहायता करते समय निरीक्षकों का आचरण और व्यवहार सीधे तौर पर तीर्थयात्रियों के समग्र अनुभव और भलाई को प्रभावित करता है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल

हज के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधन पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के उप महानिदेशक डॉ. एल. स्वस्तिचरण ने मार्गदर्शन दिया। उन्होंने एसएचआई को सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों और निवारक उपायों के बारे में जागरूक किया। साथ ही, तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए मेडिकल टीमों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने पर जोर दिया गया, ताकि किसी भी मेडिकल इमरजेंसी को प्रभावी ढंग से संभाला जा सके।

परिचालन और प्रशासनिक निर्देश

कार्यक्रम को हज कमेटी ऑफ इंडिया के सीईओ श्री शाहनवाज़ सी ने भी संबोधित किया, जिन्होंने हज के दौरान विभिन्न हितधारकों (stakeholders) के साथ समन्वय और ऑपरेशनल पहलुओं पर प्रकाश डाला। वहीं, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के निदेशक (हज) श्री नज़ीम अहमद ने प्रतिभागियों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं और 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल' की जानकारी दी।

ठाणेकरों को सड़क सुरक्षा के बारे में सिखाएंगे कॉमेडियन नवीन प्रभाकर

ठाणे। पुलिस के सड़क सुरक्षा अभियान के तहत रिपब्लिक डे पर आयोजित होने वाले "ठाणे कार्निवल" में मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन नवीन प्रभाकर ठाणेकरों को सेफ ड्राइविंग और एक्सीडेंट-फ्री ड्राइविंग का संदेश देंगे। 'लूजर कौन?' जैसे सवालों के जरिए लोगों के बीच पहचान बनाने वाले नवीन प्रभाकर, मुस्कुराते हुए ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील करेंगे। यह जानकारी ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने दी।

हंसी के साथ जागरूकता और प्रदर्शनी

रिपब्लिक डे पर नवीन प्रभाकर स्टूडेंट्स और शहरवासियों को हास्य के जरिए ट्रैफिक नियमों के महत्व के बारे में बताएंगे। इसके साथ ही वे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत आयोजित स्कूल स्टूडेंट पेंटिंग प्रतियोगिता से चुनी गई पेंटिंग्स की प्रदर्शनी, ई-व्हीकल, सुपर बाइक और विंटेज कारों की ग्रैंड एग्जीबिशन भी देखेंगे। इस अनोखी पहल से ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता को मनोरंजक तरीके से बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा अभियान 2026 की पहल

ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के मार्गदर्शन में ठाणे ट्रैफिक विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान 2026 चलाया जा रहा है। इसके तहत 26 जनवरी से साकेत मैदान में तीन दिनों तक चलने वाले कार्निवल में ट्रैफिक नियमों को लेकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद इस वर्ष कार्निवल में पहली बार किसी स्टैंड-अप कॉमेडियन को आमंत्रित किया गया है।

आधारवाडी डंपिंग पर बायोमाइनिंग का दूसरा चरण शुरू

अगले 6-8 माह में कार्य पूरा करने का लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण डोंबिवली महापालिका ने आधारवाडी डंपिंग ग्राउंड पर बायोमाइनिंग परियोजना के दूसरे चरण का काम शुरू कर दिया है। महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल ने बताया कि इस चरण में करीब 9 लाख मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर पूरे क्षेत्र को खाली करने का लक्ष्य रखा गया है। अगले 6 से 8 महीनों में काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके लिए अतिरिक्त मशीनरी और मानवशक्ति भी तैनात की जा रही है।

कचरा वर्गीकरण बढ़ने पर नागरिकों की सराहना

बारावे सूखा कचरा परियोजना के निरीक्षण के दौरान आयुक्त गोयल ने बताया कि यहां आने वाले कचरे की मात्रा तीन गुना बढ़ी है। परियोजना की क्षमता 200 टन प्रतिदिन है, जबकि वर्तमान में लगभग 150 टन प्रतिदिन कचरा प्रोसेस किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों की सराहना करते हुए कहा कि शहर में कचरा वर्गीकरण बढ़ा है, जिसे और मजबूत करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि कोविड काल में रामदास कोकरे के नेतृत्व में करीब 90 प्रतिशत तक कचरा वर्गीकरण संभव हुआ था, जिससे आधारवाडी डंपिंग को बंद किया जा सका। निरीक्षण के दौरान कार्यकारी अभियंता जयवंत विश्वास और परियोजना ठेकेदार भी उपस्थित थे।

RDF निर्माण और रिंग रोड का रास्ता साफ

आयुक्त गोयल ने घनकचरा प्रबंधन उपायुक्त रामदास कोकरे के साथ आधारवाडी के अलावा उंबर्डे (ओला कचरा) और बारावे (सूखा कचरा) परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कोविड काल में ही आधारवाडी डंपिंग बंद कर दी गई थी और तब से बायोमाइनिंग के जरिए कचरे का निपटान किया जा रहा है। इस प्रक्रिया से तैयार RDF (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल) सिमेंट और प्लास्टिक फैक्ट्रियों को दिया जा रहा है, जबकि छनी हुई मिट्टी का उपयोग महापालिका की परियोजनाओं में होगा। डंपिंग ग्राउंड खाली होने से दुर्गाडी से बारावे तक प्रस्तावित रिंग रोड के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

डीएफसीसी परियोजना के तहत कलांबोली में बड़ा गर्डर लॉन्च

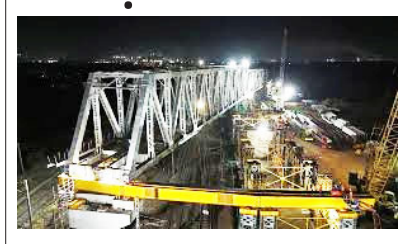

पनवेल। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन (DFCC) परियोजना के तहत कलांबोली क्षेत्र में 110 मीटर लंबे (1500 मीट्रिक टन) ओपन वेब गर्डर के लॉन्च के लिए मध्य रेलवे की अप और डाउन मेन लाइनों पर स्पेशल ट्रैफिक व पॉवर ब्लॉक परिचालित किया जाएगा। यह कार्य किलोमीटर 63/18 से 63/24 के बीच किया जाएगा। इसके साथ ही पनवेल स्टेशन और पनवेल-कर्जत खंड में सबवे व फुट ओवर ब्रिज (FOB) से जुड़े अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भी ब्लॉक लिया जाएगा।

25-26 जनवरी की रात चार घंटे का ब्लॉक

रेलवे प्रशासन के अनुसार यह शैडो ब्लॉक 25 और 26 जनवरी की मध्यरात्रि (रविवार/सोमवार) को कलांबोली–पनवेल सेक्शन में रात 1:20 बजे से सुबह 5:20 बजे तक कुल चार घंटे के लिए लागू रहेगा। इस दौरान पनवेल में सबवे निर्माण के लिए अस्थायी स्टील गर्डर लगाने, पनवेल स्टेशन पर एफओबी के गर्डर लॉन्च तथा पनवेल-कर्जत खंड में जर्जर चौक एफओबी को हटाने (डि-लॉन्च) का कार्य भी किया जाएगा।

कई ट्रेनों पर पड़ेगा असर

ब्लॉक के चलते 22193 दौंड–ग्वालियर एक्सप्रेस को कर्जत–कल्याण–वसई रोड मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा, जबकि कोंकण कन्या, मैंगलोर–सीएसएमटी, तुतारी, मत्स्यगंधा और मांडवी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रेगुलेट या रीशेड्यूल किया जाएगा। वहीं 17317 हुब्बलि–दादर एक्सप्रेस 15 से 20 मिनट तक विलंबित रह सकती है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि ये ब्लॉक संरक्षा और बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए जरूरी हैं!

आदिवासी पाड़ों के लिए सड़क और पुलिया की मांग

भूमिपुत्र एल्गार संगठन ने ग्राम पंचायत को सौंपा ज्ञापन

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका के दुगाड ग्रामपंचायत क्षेत्र में स्थित कातकरी आदिवासी बस्ती में सड़कों के कंक्रीटीकरण और नाले पर पुलिया (साकाव) निर्माण की तात्कालिक मांग उठाई गई है। इस संबंध में भूमिपुत्र एल्गार संगठन, महाराष्ट्र के कार्यकर्ताओं ने दुगाड ग्रामपंचायत के सरपंच और ग्रामपंचायत अधिकारी को लिखित ज्ञापन सौंपा। संगठन के अक्षय मुकणे के नेतृत्व में यह मांग रखी गई।

PESA व अन्य निधियों से कार्य शुरू करने की मांग

संगठन ने बताया कि बस्ती के अंदरूनी रास्ते कच्चे और फिसलन भरे हैं, जिनका बरसात से पहले कंक्रीटीकरण जरूरी है। अक्षय मुकणे, दीपक पवार, तुषार मुकणे, प्रकाश मुकणे और शरद पवार ने मांग की कि सड़कों और पुलिया के कार्यों को PESA निधि, वित्त आयोग या अन्य विकास निधियों से शीघ्र स्वीकृति देकर तुरंत शुरू किया जाए, ताकि आदिवासी नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

पुनर्वास के बाद भी सुविधाओं का अभाव

ज्ञापन में बताया गया कि मुंबई–वडोदरा राष्ट्रीय महामार्ग के निर्माण के कारण विस्थापित हुए तळेवाड़ी क्षेत्र के कातकरी आदिवासी परिवारों का दुगाड–तळेवाड़ी परिसर में पुनर्वास किया गया है, लेकिन अब तक बस्ती में पक्की सड़कें और सुरक्षित पुलिया उपलब्ध नहीं कराई गईं। बरसात के दौरान बस्ती के प्रवेश द्वार पर स्थित बड़े नाले के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है, जिससे स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार नागरिकों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ती है।

उपवन झील परिसर में विहंग संस्कृति कला महोत्सव

ठाणे। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में उनके फाउंडेशन की ओर से ठाणे के पर्यटन स्थल उपवन झील परिसर में विहंग संस्कृति कला महोत्सव का 11वां वार्षिक आयोजन 6 से 9 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है। चार दिवसीय इस महोत्सव में देश-विदेश के करीब 600 कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे, जबकि अनुमानित छह लाख कला प्रेमी इस सांस्कृतिक आयोजन का हिस्सा बनेंगे।

विहंग संस्कृति कला महोत्सव के प्रमुख प्रवेश सरनाईक ने बताया कि संभवतः यह पहला अवसर है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार चार दिनों तक एक साथ मंच साझा करेंगे। 6 फरवरी को किराना घराने के सुप्रसिद्ध गायक आनंद भाटे (आनंद गंधर्व) 'आनंदवारी भक्ति' पर आधारित शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगे। 7 फरवरी को उस्ताद मीर मुख्तियार अली, जशन भूमकर, संगीता शंकर व वेदांत जामगावकर, पंडित अजय पोहनकर, तथा पंडित संदीप मिश्रा और पंडित संगीत मिश्रा बनारस रंग में सारंगी वादन से समा बांधेंगे।

महोत्सव में 7 फरवरी को शिंदे शाही, 8 फरवरी को प्रसिद्ध सिने गायक शान, जबकि 9 फरवरी को कवि व अभिनेता शैलेश लोढ़ा कवि सम्मेलन का मंच सजाएंगे। मुद्रा मंच पर सुधा चंद्रन (भरतनाट्यम), दीपक मजूमदार (ओडिसी), सुजाता महापात्रा, डॉ. मंजीरी देवी, स्वाती शर्मा देठनकर और साजी मेनन जैसी ख्यातिप्राप्त नृत्यांगनाएं प्रस्तुति देंगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

घर-परिवार में सुख-शांति के लिए ज्योतिषीय उपाय

परिवार में सुख के लिए परिवार में सुख-शांति तथा समृद्धि के लिए प्रति दिन प्रथम रोटी के चार बराबर भाग करें। एक गाय को दूसरा काले कुत्ते को तीसरा कौए को दें तथा चौथा भाग चौराहे पर रखे। हर प्रकार की सुख-शांति के लिए अशोक वृक्ष के सात पत्ते मंदिर में रख कर पूजा करें। जब वे मुरझाने लगे, तो नए पते रख दें और पुराने को पीपल के नीचे रख आए। इससे घर में सुख-शांति बनी रहेगी। गृह शांति के लिए एक पतंग पर अपने कष्ट तथा परेशानिया लिखे उसे हवा में उड़ा कर छोड दें। ऐसा 7 दिन लगातार करे। सभी कष्ट तथा परेशानिया दूर हो जाएंगी तथा घर में सुख-शाति आएगी। घर में अशांति रहने पर यदि आपके लाख उपाय करने पर भी अकारण ही अशांति बनी रहती हो. तो गाय के गोबर को एक छोटा दीपक बनाए उसमें तेल और रुई की बत्ती डाल कर थोड़ा गुड़ डाला दे तथा उस दीपक को जला कर दरवाजे के बीच रख दें परेशानिया कम होने लगेगी। इसे आवश्यकतानुसार 2-3 बार थोड़े समय के अंतराल से कर लेना चाहिए इसके लिए शनिवार विशेष उपयुक्त दिन है तथा तिल का तेल श्रेष्ठ है। घरेलू झगड़ा होने पर घर में क्लेश रहता हो या छोटी-छोटी बातो पर साड़ा होना हो तो घर में गेहूं केवल सोमवार या शनिवार को ही पिसवाए और पिसवाने से पहले उसमें 100 ग्राम काले चने का आटा मिला दें इस प्रकार का आटा खाने से धीरे-धीरे लढाई-झगड़े तथा घर में क्लेश खत्म हो जाएंगे।

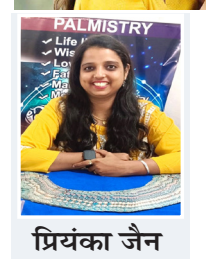

प्रियंका जैन
9769994439

मानसिक शांति एवं कार्य की सफलता हेतु उपाय

जन्म कुंडली में चंद्रमा अशुभ होने पर पारिवारिक अशांति, धन की कमी तथा कार्य संचालन में परेशानी देता है। इससे बचाव के लिए रविवार की रात को सोते समय चांदी या स्टील के गिलास में थोड़ा कच्चा दूध डाल कर उसे सिरहाने रख कर सो जाएं सोमवार की सुबह इस दून को कीकर (बबूल) के पेड़ पर चढ़ा आए।

सावधानी: गिलास को किसी बर्तन से न ढके

बाहरी बाधा के कारण परेशानी रहने पर यदि बाहरी बाधा के कारण घर अथवा व्यवसाय में परेशानी महसूस होती हो, तो अपने निवास / व्यवसाय स्थान के पास जो भी वृक्ष हो, उसकी जड में शाम को दूध डालकर वहा अगरबत्ती जलाने से लाभ होता है इसके लिए सोमवार उपयुक्त दिन है।

सर्व आपदा दुख निवारण हेतु उपाय किसी प्रकार की विपत्ति आने का भय हो अथवा आपदाग्रस्त हो मनोबल कमजोर हो गया हो. जीवन मे बार-बार अशुभ घटनाओं के कारण मन दुखी रहता हो तो श्रध्दा विश्वासपूर्वक निम्न मंत्र का मानसिक जप अथवा लाल चंदन की माला से पाच माला नित्य जप करने से शीघ्र लाभ होता है।

मंत्र करोतु सा नः शुभहेतुरीश्वरी शुभानि भद्राणिभिहन्तु चापदः।

आर्थिक परेशानी निवारण का अचूक उपाय

यदि अर्थिक समस्या के कारण परिवार में कलह रहती हो, आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई हो कि कुछ भी उपाय न सूझ रहा हो तो कनकधारा यंत्र को अपने घर में अथवा व्यवसाय स्थल पर षोडशोपचार विधि से पूजन एवं प्राण प्रतिष्ठत करके स्थापित करे। 21 दिन तक नित्य यत्र के सम्मुख बैठकर श्रद्धा विश्वासपूर्वक कनकधारा स्तोत्र के 11 पाठ करें।

न्यूज़ ब्रीफ

शंकराचार्य के शिविर की सुरक्षा के लिए लगाए गए CCTV कैमरे

प्रयागराज। मौनी अमावस्या स्नान को लेकर जारी विवाद के बीच शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेला प्राधिकरण द्वारा दो नोटिस चस्पा किए जाने के बाद आशंकित शिष्यों और भक्तों ने एहतियातन शिविर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के अनुसार, नोटिस देर रात लगाए जाने से अनुयायियों में चिंता बढ़ी, जिसके चलते शिविर में निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। कैमरों के माध्यम से आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। घटनाक्रम के बाद प्रशासनिक गतिविधियों को लेकर भी सतर्कता बरती जा रही है।

पटना में अग्निकांड, दो मासूमों की जलकर मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना के मसौढ़ी क्षेत्र में शनिवार दोपहर आग लगने की घटना में दो मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई। हादसा भगवानगंज थाना क्षेत्र के दनाडा गांव में हुआ, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, आग खलिहान में लगी, जहां विकास कुमार के दो बच्चे—प्रियांशु कुमार (7) और मानसी कुमारी (3)—मौजूद थे। परिजन खेत में काम कर रहे थे और आग का पता चलने तक काफी देर हो चुकी थी। जब तक लोग मौके पर पहुंचे, दोनों बच्चों की जान जा चुकी थी। सूचना मिलते ही भगवानगंज पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस आग लगने के कारणों की पड़ताल कर रही है। एक साथ दो बच्चों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है।

काशी के महाश्मशान घाटों पर शवों की होगी डिजिटल एंट्री

वाराणसी। वाराणसी के मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र महाश्मशान घाटों पर अब शवों का निःशुल्क और कंप्यूटरीकृत पंजीकरण किया जाएगा। नगर निगम की इस नई पहल का शुभारंभ महापौर अशोक कुमार तिवारी ने हरिश्चंद्र घाट पर किया। नगर निगम के अनुसार, नई व्यवस्था के तहत अंतिम संस्कार के लिए आने वाले प्रत्येक शव का नाम, पता और आयु जैसी आवश्यक जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क होगी और इससे मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने में परिजनों को सुविधा मिलेगी। साथ ही घाटों पर होने वाले दाह संस्कार का सटीक आंकड़ा उपलब्ध हो सकेगा। महापौर ने बताया कि इसी तर्ज पर शहर के चयनित कब्रिस्तानों में भी शीघ्र ही कंप्यूटरीकृत मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था लागू की जाएगी। इस पहल से नगर निगम को विश्वसनीय डाटा प्राप्त होगा, जो भविष्य की शहरी योजनाओं और व्यवस्था सुधार में सहायक सिद्ध होगा।

योगीराज में मिटा बीमारू राज्य का धब्बा: अमित शाह

राजधानी में उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य शुभारंभ, विकास और सुशासन पर केंद्रित समारोह

एजेंसी । नई दिल्ली

राजधानी लखनऊ के बसंत कुंज योजना स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर शनिवार को तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का औपचारिक और भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहभागिता की। इस अवसर पर प्रदेश की विकास यात्रा, निवेश, रोजगार और सांस्कृतिक विरासत को केंद्र में रखा गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के नागरिकों को प्रदेश दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने प्रदेश की जनता से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पुनः भाजपा को प्रचंड बहुमत देने की अपील की।

योगी सरकार की उपलब्धियों का बखान

अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कानून-व्यवस्था में सुधार, निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और बुनियादी ढांचे का विस्तार इसकी प्रमुख उपलब्धियां हैं। उन्होंने बताया कि एक समय 'बीमारू राज्य' कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में औसतन लगभग 17 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है। गृह मंत्री ने 'एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी)' योजना को प्रदेश की पहचान बदलने वाली पहल बताया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में इस योजना पर सवाल उठाए गए थे, लेकिन आज यह रोजगार सृजन और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बन चुकी है। इसी तर्ज पर शुरू की गई 'एक जिला-एक व्यंजन' योजना की भी उन्होंने सराहना की।

निवेश, उद्योग और बुनियादी ढांचा

अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर यूनिट्स और औद्योगिक क्लस्टर स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश को अब तक लगभग 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और प्रयागराज में महाकुंभ आयोजन को उन्होंने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से ऐतिहासिक बताया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली पांच विशिष्ट विभूतियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26' से सम्मानित किया गया। इसमें लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री एवं भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला, प्रयागराज निवासी 'फिजिक्स वाला' के संस्थापक अलख पांडेय, बुलंदशहर निवासी डॉ. हरिओम पंवार, मेरठ की रश्मि आर्य, श्रीमद् दयानंद आर्य कन्या गुरुकुल की संस्थापक और कृषि : वाराणसी निवासी डॉ. सुधांशु सिंह को सम्मानित किया गया।

बर्फबारी से ढका चारधाम हिमस्खलन का खतरा बढ़ा

हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बर्फबारी से प्रदेश में कड़ाके की ठंड

उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ डेंजर जोन घोषित

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड के चारों धामों सहित ऊपरी हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फबारी से प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में है। मौसम विभाग ने शनिवार को भी पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी और हिमस्खलन की आशंका जताई है। रक्षा भू-सूचना अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) की चेतावनी के अनुसार उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिलों में हिमस्खलन का खतरा अधिक बना हुआ है, जिन्हें डेंजर लेवल-3 श्रेणी में रखा गया है। वहीं बागेश्वर जिले में डेंजर लेवल-2 घोषित किया गया है। भारी बर्फबारी की स्थिति में संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

आपदा पद सक्रिय, इंटर तक के स्कूल बंद

स्थिति को देखते हुए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य संबंधित विभागों को अलर्ट पर रखा है। आपदा प्रबंधन विभाग ने स्थानीय निवासियों, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों से अनावश्यक यात्रा से बचने और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। मौसम की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के कई जिलों में कक्षा 1 से 12 तक के सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है।

वर्दी खरीद भ्रष्टाचार में होमगार्ड्स के DIG निलंबित

संयुक्त समिति गठित कर विस्तृत जांच करने का निर्देश

देहरादून। उत्तराखंड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री की खरीद से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में राज्य सरकार ने कड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निदेशक होमगार्ड्स एवं डिप्टी कमांडेंट अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे मामले की गहन जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार यह प्रकरण वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान वर्दी सामग्री की खरीद से संबंधित है। टेंडर प्रक्रिया में वित्तीय गड़बड़ियों और नियमों की अनदेखी के आरोप सामने आने के बाद महानिदेशक होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा द्वारा शासन को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी गई थी। रिपोर्ट में खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव की बात कही गई है।

भ्रष्टाचार अस्वीकार्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जांच समिति को निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के निर्देश दिए गए हैं।

नेता की हत्या करवाने वाला कुख्यात राजा गिरफ्तार

बक्सर। बक्सर जिले में हुए चर्चित हृदयानंद यादव और राजद नेता अर्जुन यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपी राजा दुबे को पुलिस ने पटना से दबोच लिया है। यह गिरफ्तारी पटना एसटीएफ और बक्सर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शुक्रवार शाम दानापुर क्षेत्र से की गई। पुलिस के अनुसार इटाढ़ी थाना क्षेत्र के सिकटौना गांव निवासी राजा दुबे लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी तलाश पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई थी। गुप्त सूचना के आधार पर गठित विशेष टीम ने पटना एसटीएफ के सहयोग से उसे हिरासत में लिया और बाद में बक्सर लाया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बक्सर में हत्या और लूट समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में भी उसके आपराधिक रिकॉर्ड की पुष्टि हुई है।

छत्तीसगढ़ में फिल्म उद्योग को बढ़ावा, नए रायपुर में फिल्म सिटी की शुरुआत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और रचनात्मक पहचान को वैश्विक मंच देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साई ने नया रायपुर में चित्रोत्पला अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी और जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र की आधारशिला रखी। इसके साथ ही राज्य की रचनात्मक यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई।

कारीगरों और स्थानीय समुदायों को लाभ

इस परियोजना में इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) और हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) की अहम भागीदारी है। इनके सहयोग से प्रदर्शनी केंद्र, सम्मेलन केंद्र, होटल, मार्ट-सह-शोरूम, हेलीपैड और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे स्थानीय कारीगरों, आदिवासी समुदायों, एमएसएमई और युवाओं के लिए स्थायी अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साई ने कहा कि राज्य की जनता लंबे समय से फिल्म सिटी की मांग कर रही थी। सरकार पहले चरण में 150 करोड़ रुपये और बाद के चरणों में 250 से 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। पहले चरण को लगभग दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

फिल्म उद्योग में बढ़ी उत्सुकता

फिल्म सिटी को लेकर उद्योग जगत में पहले से ही उत्साह है। शुरुआती चर्चाओं में संकेत मिले हैं कि बड़े फिल्म प्रोजेक्ट्स, जिनमें गोलमाल-5 समेत कई आगामी फिल्में शामिल हैं, इसके शुरू होने के बाद यहां शूटिंग करने पर विचार कर सकती हैं।

व्यापार जगत

IMF : AI से बदलेगा वैश्विक रोजगार का परिदृश्य

आईएमएफ की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने किया आगाह

युवाओं और मध्यवर्ग पर सबसे गहरा असर पड़ने की आशंका

एजेंसी । नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वैश्विक श्रम बाजार में बड़े बदलाव की भूमिका तैयार कर चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के मंच से आगाह किया है कि एआई के तेजी से बढ़ते उपयोग से नौकरियों की प्रकृति में व्यापक परिवर्तन होगा, जिसका सबसे अधिक दबाव युवाओं और मध्यवर्गीय कर्मचारियों पर पड़ सकता है। जॉर्जीवा ने एआई को "रोजगार बाजार में उठने वाली सुनामी" की संज्ञा देते हुए कहा कि यदि इस तकनीकी बदलाव को संतुलित और समावेशी ढंग से प्रबंधित नहीं किया गया, तो आय असमानता और सामाजिक विभाजन और गहराने का खतरा है।

विकसित देशों में 60 प्रतिशत नौकरियां प्रभावित

आईएमएफ के ताजा शोध का हवाला देते हुए जॉर्जीवा ने बताया कि आने वाले वर्षों में विकसित अर्थव्यवस्थाओं में करीब 60 प्रतिशत नौकरियां किसी न किसी रूप में एआई के प्रभाव में आएंगी। इनमें से कुछ नौकरियां अधिक उत्पादक और बेहतर वेतन वाली बन सकती हैं, जबकि कई भूमिकाएं पूरी तरह समाप्त या मूल रूप से परिवर्तित हो सकती हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों पर एआई का असर पड़ने का अनुमान है।

उत्पादकता बढ़ी, लेकिन असमानता का खतरा

आईएमएफ प्रमुख ने स्वीकार किया कि एआई पहले ही कई क्षेत्रों में उत्पादकता और वेतन बढ़ाने में सहायक साबित हो रहा है। विकसित देशों में लगभग 10 प्रतिशत नौकरियां ऐसी हैं, जहां एआई के इस्तेमाल से कामकाज अधिक कुशल हुआ है और कर्मचारियों को बेहतर पारिश्रमिक मिला है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी लाभ हुआ है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि इस प्रगति का लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचा तो अमीर और गरीब के बीच की खाई और चौड़ी हो सकती है। जॉर्जीवा ने विशेष रूप से शुरुआती स्तर की नौकरियों (एंट्री-लेवल रोल्स) को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऑटोमेशन का सबसे अधिक असर उन्हीं भूमिकाओं पर पड़ता है, जिनमें आमतौर पर युवा काम करते हैं। इसके चलते रोजगार बाजार में कदम रखने वाले युवाओं के लिए अवसर सीमित हो सकते हैं और स्थिर करियर की राह कठिन बन सकती है।

पूंजीगत निवेश के चलते राज्यों का घाटा बढ़ा

माली हालत अब भी संतुलित: आरबीआई

नई दिल्ली। लगातार तीन वर्षों तक राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के बाद देश के राज्यों के वित्तीय आंकड़ों में एक बार फिर बदलाव देखने को मिला है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का संयुक्त राजकोषीय घाटा बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इससे पहले यह स्तर लगातार 3 प्रतिशत से नीचे बना हुआ था। हालांकि केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि घाटे में यह वृद्धि किसी वित्तीय लापरवाही का संकेत नहीं है, बल्कि यह केंद्र सरकार द्वारा विकास कार्यों के लिए उपलब्ध कराए गए विशेष प्रोत्साहन का परिणाम है। आरबीआई के मुताबिक राजकोषीय घाटा बढ़ने का मुख्य कारण केंद्र सरकार की 'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता' योजना है। इस योजना के तहत राज्यों को 50 वर्षों के लिए ब्याज-मुक्त ऋण दिए गए हैं, जो उनकी सामान्य उधारी सीमा से अतिरिक्त हैं।

बजट : 'विकसित भारत 2047' के रोडमैप पर रहेंगी निगाहें

एक फरवरी को निर्मला सीतारमण पेश करेंगी अपने कार्यकाल का नौवां बजट

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की आर्थिक दिशा तय करने वाला केंद्रीय बजट 2026-27 एक फरवरी को संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने कार्यकाल का नौवां बजट और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 3.0 सरकार का तीसरा पूर्ण बजट प्रस्तुत करेंगी। इस बजट से दीर्घकालिक विकास की रूपरेखा, राजकोषीय संतुलन और समावेशी प्रगति को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित बजट 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। इसमें बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने, विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर विशेष फोकस है।

बजट सत्र की रूपरेखा निर्धारित

संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ आरंभ होगा। इसके अगले दिन 29 जनवरी को आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 संसद के पटल पर रखा जाएगा, जो देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति, चुनौतियों और संभावनाओं का खाका प्रस्तुत करेगा। इसके बाद 01 फरवरी, रविवार को सुबह 11 बजे लोकसभा में बजट भाषण होगा।

करदाताओं और किसानों को उम्मीद

बजट को लेकर सबसे अधिक अपेक्षाएं आयकर से जुड़ी हैं। नई आयकर व्यवस्था में संभावित संशोधन, मानक कटौती में बढ़ोतरी और मध्यम वर्ग को राहत देने वाले प्रावधानों पर सभी की नजरें टिकी हैं। वहीं कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा बढ़ाने, महिला किसानों के लिए विशेष योजनाओं और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहन मिलने की संभावना जताई जा रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर, विनिर्माण और रोजगार

सरकार की प्राथमिकताओं में बुनियादी ढांचे का विकास और 'मेक इन इंडिया' को नई गति देना शामिल है। ऐसे में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के विस्तार और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए आवंटन बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। इन कदमों से रोजगार सृजन और निवेश को बल मिलने की संभावना है।

दिल्ली पहुंचीं ईयू की शीर्ष नेता उर्सुला वॉन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने के उद्देश्य से यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंच गई हैं। उनके साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को राजधानी दिल्ली आगमन कर रहे हैं। इस उच्चस्तरीय यात्रा को भारत-ईयू संबंधों के लिहाज से अत्यंत अहम माना जा रहा है।

यह दौरा दो प्रमुख कारणों से विशेष महत्व रखता है। यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, 27 जनवरी को प्रस्तावित शिखर वार्ता में आर्थिक, रणनीतिक और मानव संसाधन सहयोग से जुड़े कई बड़े समझौतों पर सहमति बनने की संभावना है।

डीजीसीए की सख्ती के बाद हरकत में आया इंडिगो, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर

इंडिगो ने सरेंडर किए 717 स्लॉट

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की सख्ती के बाद बड़ा परिचालन निर्णय लेना पड़ा है। नियामक के निर्देशानुसार शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत कटौती लागू होने के बाद इंडिगो ने देश के विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों पर कुल 717 स्लॉट खाली कर दिए हैं। यह स्लॉट जनवरी से मार्च के बीच की अवधि के लिए छोड़े गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दिसंबर माह में बड़े पैमाने पर उड़ानों के रद्द होने और विलंब की घटनाओं के बाद डीजीसीए ने इंडिगो की घरेलू उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती का आदेश दिया था।

किन हवाई अड्डों पर सबसे अधिक असर

इंडिगो ने कुल 16 घरेलू हवाई अड्डों पर अपने स्लॉट छोड़े हैं। इनमें प्रमुख महानगरों के हवाई अड्डे सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। मुंबई एयरपोर्ट पर सबसे ज्यादा 236 स्लॉट छोड़े गए। इसी तरह दिल्ली में 150 स्लॉट, बेंगलुरु में 84 स्लॉट, हैदराबाद में 68 स्लॉट और पुणे में 48 स्लॉट खाली हुए। इनमें से 364 स्लॉट देश के छह बड़े महानगरों—दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद—से जुड़े हैं। छोड़े गए स्लॉट में मार्च माह की हिस्सेदारी सबसे अधिक है।

न्यूज ब्रीफ

अनाहत स्प्राट चैंपियंस स्क्वॉश के दूसरे दौर में

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया की 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की लूसी टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। हालांकि दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी भारत के अभय सिंह पहले ही दौर में हार गए। उन्हें स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अनाहत स्प्राट चैंपियंस स्क्वॉश के दूसरे दौर में

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया की 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की लूसी टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। हालांकि दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी भारत के अभय सिंह पहले ही दौर में हार गए। उन्हें स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी टीम इंडिया

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज का तीसरा मुकाबला आज

एजेंसी । गुवाहाटी

भारतीय टीम रविवार को गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। भारत अभी सीरीज में 2-0 से आगे है और रविवार को लगातार तीसरा मैच जीतकर सीरीज को पूरी तरह अपनी मुट्ठी में करना चाहेगा। हालांकि, टीम इंडिया को किसी भी तरह की लापरवाही से बचना होगा क्योंकि न्यूजीलैंड वापसी करने में माहिर है।

इस मैच में सभी की निगाहें विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर होंगी। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग का मौका दिया गया था, लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं। पिछले सात मैचों में खराब प्रदर्शन और तेज गेंदबाजों के सामने उनकी उजागर होती कमजोरियों के कारण यह सीरीज उनके लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

विश्व कप के मद्देनजर टीम संयोजन

टी-20 विश्व कप शुरू होने में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है। भारत का टीम संयोजन काफी हद तक तय माना जा रहा है, क्योंकि टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, टीम प्रबंधन कुछ चुनिंदा स्थानों को लेकर चिंतित हो सकता है, जिसमें फिलहाल संजू सैमसन का स्थान सबसे ज्यादा चर्चा में है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 27
भारत जीता	: 16
न्यूजीलैंड जीता	: 10
टाई	: 1

नंबर गेम

1 मैच भारत ने गुवाहाटी में चार मुकाबलों में से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्तूबर 2022 में जीता था। दो हारे और एक बेनतीजा रहा है

3 साल बाद भारतीय टीम यहां खेलेगी। पिछली बार नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से हराया था। दोनों का यह यहां पहला मुकाबला होगा

59 रन दूर है रिंकू सिंह टी-20 में 3500 रन पूरे करने से

संजू बन रहे तेज गेंदबाजों का शिकार

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान वह तेज गेंदबाजों के हाथों पांच बार सस्ते में आउट हो गए। इसमें जोफ्रा आर्चर ने लगातार तीन बार आउट किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैच में वह 10 और छह रन ही बना सके हैं। उन्हें पेसरों क्रमशः काइल जैमीसन और मैट हेनरी ने आउट किया।

सात पिछली पारियों से संजू के बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला है। इस दौरान 39 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा जो एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था

ईशान किशन की चुनौती

सैमसन के खराब फॉर्म के बीच ईशान किशन ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेलकर उन पर दबाव बढ़ा दिया है। पिछले मैच में अभिषेक और सैमसन के जल्दी आउट होने के बाद ईशान ने पारी को संभाला था। ईशान के इस प्रदर्शन ने फिर से यह बहस छेड़ दी है कि अभिषेक शर्मा का आदर्श सलामी जोड़ीदार किसे होना चाहिए।

कप्तान सूर्यकुमार की शानदार वापसी

भारत के लिए सबसे राहत की बात यह है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पुरानी लय में लौट आए हैं। उन्होंने पिछली 23 पारियों के बाद अपना पहला अर्धशतक जड़ते हुए शानदार 82 रन बनाए। टी-20 विश्व कप से ठीक पहले कप्तान का फॉर्म में लौटना टीम के आत्मविश्वास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

गेंदबाजी में रोटेशन और चोट की चिंता

मैचों के बीच कम अंतराल को देखते हुए प्रबंधन ने तेज गेंदबाजों को रोटेट करने का फैसला किया है, जिसके तहत जसप्रीत बुमराह की वापसी की उम्मीद है। पिछले मैच में अर्शदीप महंगे साबित हुए थे, लेकिन स्पिनरों ने अच्छी वापसी कराई थी। वहीं, टीम को उम्मीद होगी कि अक्षर पटेल की उंगली की चोट गंभीर न हो ताकि उन्हें विश्व कप से पहले अभ्यास का पर्याप्त समय मिल सके।

न्यूजीलैंड की रणनीतिक स्थिति

मेहमान टीम के लिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वे पिछली करारी हार के बाद कैसे वापसी करते हैं। कीवी कप्तान मिचेल सेंटनर कुछ रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकते हैं, जिसमें शानदार फॉर्म में चल रहे डेरिल मिचेल को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजना शामिल हो सकता है। न्यूजीलैंड को अगर मैच जीतना है तो उन्हें अपनी रणनीति बदलनी होगी।

फील्डिंग में सुधार की दरकार

न्यूजीलैंड की टीम आमतौर पर अपनी बेहतरीन फील्डिंग के लिए जानी जाती है, लेकिन इस सीरीज में उनका यह पक्ष बेहद निराशाजनक रहा है। सेंटनर और ईश सोढ़ी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने भी कैच टपकाए हैं। गुवाहाटी में जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड को अपनी फील्डिंग के स्तर में तत्काल सुधार करने की सख्त जरूरत है।

प्रतिका, वैष्णवी और क्रांति पहली बार टेस्ट टीम में

ऑस्ट्रेलिया दौरा

नई दिल्ली। सफेद गेंद के क्रिकेट में धमाल मचाने वाली ओपनर प्रतिका रावल अब लाल गेंद क्रिकेट में भी कमाल दिखाने को तैयार हैं। उनके साथ बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को पहली बार भारतीय महिला टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में छह से नौ मार्च तक होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया। टीम की कमान अनुभवी हरमनप्रीत कौर के हाथ में रहेगी।

चोट से वापसी और सीमित ओवरों की तैयारी

प्रतिका रावल ने पिछले साल वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन टखने में लगी चोट के कारण नॉकआउट में नहीं खेल पाई थीं। अब वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, हालांकि सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने 24 वनडे मैचों में 50.45 के औसत से 1110 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वैष्णवी शर्मा ने भारत की अंडर-19 विश्व कप जीत में अपनी छाप छोड़ी थी और दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी पिछले साल पदार्पण किया और अब तक 15 वनडे और चार टी-20 खेल चुकी हैं, जिनमें वनडे में उनके नाम 23 विकेट हैं।

बांग्लादेश टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

दुबई। आईसीसी ने बांग्लादेश को आइना दिखाते हुए टी20 विश्व कप 2026 से बाहर कर दिया है। शनिवार को आईसीसी ने आधिकारिक पत्र जारी कर बांग्लादेश को बाहर करने का फैसला सुनाया। चार जनवरी से चले आ रहे हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद आखिरकार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। इससे बोर्ड के साथ-साथ वहां के खिलाड़ियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को आधिकारिक तौर पर जानकारी दे दी है कि उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर किया जा चुका है और स्कॉटलैंड से रिप्लेस किया गया है। बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप में भारत का दौरा करने से मना किया था और सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था।

जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 400 जीत दर्ज करने वाले पहले खिलाड़ी

102 मैच ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीतकर नोवाक ने फेडरर का रिकॉर्ड भी बराबर किया

18वीं बार साल के पहले ग्रैंड स्लैम के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, तीन साल से नहीं जीता है कोई ग्रैंड स्लैम

मेलबर्न। दिग्गज सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शनिवार को अपने शानदार करियर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कर ली। 38 साल के जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 400 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में नीदरलैंड्स के बोटिक वान डि को 6-3, 6-4, 7-6 हराकर यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने 455 मैच में से सिर्फ 55 हार हैं। दिग्गज रोजर फेडरर (369 जीत, 60 हार) दूसरे नंबर पर हैं। इनके अलावा कोई भी खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम में 350 मैच नहीं जीत पाया है।

गर्मी ने छुड़ाए सिनेर के पसीने

दो बार के चैंपियन यानिक सिनेर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद चौथे दौर में प्रवेश करके लगातार तीसरे खिताब की उम्मीदें कायम रखी हैं। सिनेर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया।

बॉलीवुड

'बैटल ऑफ गलवान' का पहला गाना 'मातृभूमि' रिलीज

'बैटल ऑफ गलवान' के मेकर्स ने टीज़र के बाद अब फिल्म का पहला गीत 'मातृभूमि' जारी कर दिया है। यह गीत फिल्म के म्यूज़िकल सफर की पहली झलक पेश करता है, जिसमें देशभक्ति और भावनात्मक गहराई साफ झलकती है। सरल लेकिन प्रभावशाली यह गाना फिल्म की कहानी का माहौल तय करता है और रिलीज़ से पहले दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाता है।

गीत में सलमान खान एक भारतीय सेना अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जबकि चित्रांगदा सिंह उनके साथ दिखाई देती हैं। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री स्वाभाविक और भावनात्मक लगती है। गाने में उन्हें दो छोटे बच्चों के साथ एक परिवार के रूप में दिखाया गया है, जहां घर के सुकून भरे पल और गलवान की जंग के दृश्य समानांतर चलते हैं। ये दृश्य ड्यूटी, संघर्ष, प्रेम, बलिदान और देशसेवा के भाव को प्रभावी ढंग से सामने लाते हैं।

'मातृभूमि' को हिमेश रेशमिया ने कंपोज़ किया है। उन्होंने बताया कि इस गीत को बनाना उनके लिए बेहद भावनात्मक अनुभव रहा। उनके अनुसार, गाने की आत्मा सेना की बीट्स और उसकी ऊर्जा से प्रेरित है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल के साथ काम करना उनके लिए खास रहा, वहीं सलमान खान के साथ दोबारा जुड़ना और सलमान खान फिल्म्स म्यूज़िक लेबल से गीत का रिलीज़ होना इस सफर को और यादगार बनाता है। गीत के बोल समीर अंजन ने लिखे हैं और इसे अरिजीत सिंह व श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज़ दी है।

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को सलमा खान ने सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है, जबकि इसका निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। फिल्म का संगीत सलमान खान फिल्म्स म्यूज़िक लेबल से जारी किया गया है और सोनी म्यूज़िक इंडिया इसकी आधिकारिक म्यूज़िक डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर है। यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज़्बे की कहानी दिखाने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

एआर रहमान के दावे पर रणवीर शौरी का जवाब

बॉलीवुड में गुटबाजी और भेदभाव को लेकर चल रही बहस एक बार फिर तेज हो गई है। ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने काम न मिलने के पीछे सांप्रदायिक भेदभाव की बात कही थी, अब विवाद का कारण बन गए हैं। इस मुद्दे पर अभिनेता रणवीर शौरी ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है और रहमान के दावों से असहमति जताई है।

मीडिया से बातचीत में रणवीर शौरी ने कहा कि वह रहमान की इस बात से सहमत नहीं हैं कि उन्हें धर्म की वजह से काम नहीं मिल रहा।

रणवीर ने कहा, ₹मुझे नहीं पता कि रहमान साहब ऐसा क्यों महसूस करते हैं, लेकिन मैं इसे सांप्रदायिक नजरिए से बिल्कुल नहीं देखता।₹ उन्होंने स्पष्ट किया कि बॉलीवुड में समस्याएं जरूर हैं, लेकिन उन्हें केवल धर्म से जोड़ना सही नहीं है।

फीस को बताया बड़ा कारण

रणवीर शौरी ने रहमान को कम काम मिलने के पीछे एक व्यावहारिक वजह भी गिनाई। उन्होंने कहा, ₹मैंने यह सुना है कि रहमान साहब की फीस काफी ज्यादा होती है। यह भी एक बड़ा कारण हो सकता है कि निर्माता उनसे संपर्क करने से बचते हों।₹ रणवीर के मुताबिक, कई बार किसी कलाकार की भारी फीस ही उसके लिए काम के मौके सीमित कर देती है।

इंडस्ट्री की राजनीति पर तीखा वार

रणवीर ने बॉलीवुड में मौजूद भेदभाव को स्वीकार करते हुए कहा कि यह भेदभाव धर्म से ज्यादा पावर और अंदरूनी राजनीति से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा, ₹मैंने खुद भी इंडस्ट्री में भेदभाव झेला है, लेकिन वह कभी सांप्रदायिक नहीं था। रणवीर ने जोर देते हुए कहा कि बॉलीवुड में हर कलाकार को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है और तरक्की का रास्ता मेहनत, काबिलियत और काम से होकर ही जाता है।

'किंग' की रिलीज डेट आई सामने

शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। शाहरुख खान की 'किंग' इस साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। रिलीज डेट के साथ ही फिल्म के नए विजुअल्स भी सामने आए हैं, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान शाहरुख खान और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खास मौके पर किया। यह घोषणा फिल्म 'पठान' की तीन साल की सालगिरह से ठीक पहले की गई है। इससे इस हिट जोड़ी के दोबारा साथ आने को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। रिलीज डेट के साथ जारी किए गए अनाउंसमेंट वीडियो में 'किंग' की नई झलकियां दिखाई गई हैं। वीडियो में शाहरुख खान एक खतरनाक, बोल्ड और दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। उनके इस नए लुक ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। अब फैंस को करीब 11 महीने का इंतजार करना होगा, जब शाहरुख खान एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर अपनी दहाड़ सुनाएंगे। इस बार क्रिसमस शाहरुख खान के चाहने वालों के लिए खास होने वाला है। 'किंग' में शाहरुख खान के अलावा अरशद वारसी, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जैकी श्रॉफ, जयदीप अहलावत, सौरभ शुक्ला और अभय वर्मा जैसे बड़े कलाकार नजर आने वाले हैं। फिलहाल फिल्म से शाहरुख खान का लुक ही आधिकारिक तौर पर सामने आया है। वहीं, चर्चा है कि फिल्म में दीपिका पादुकोण का कैमियो भी हो सकता है, हालांकि इस पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

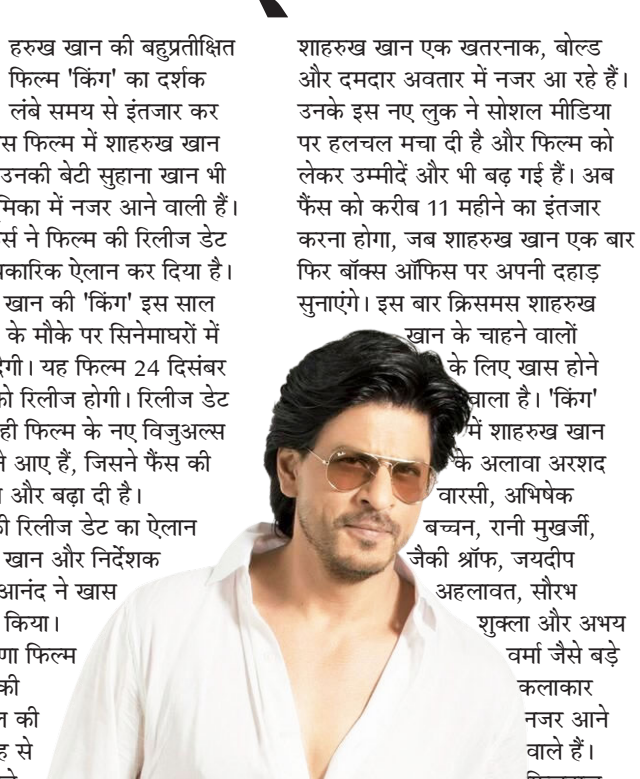

सुनील शेट्टी ने ठुकराया 40 करोड़ का ऑफर

अभिनेता सुनील शेट्टी ने कभी भी सफलता को सिर्फ बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों से नहीं आंका। पीपिंग मून से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके लिए प्रासंगिकता इस बात से आती है कि लोग किस तरह पीढ़ियों तक उनसे जुड़े रहते हैं।

फिटनेस, ईमानदारी और प्रामाणिकता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ही वह मूल्य हैं, जिन्होंने उनके लंबे करियर को आकार दिया और उन्हें दर्शकों की नजरों में बनाए रखा। सुनील शेट्टी ने बताया कि वर्ष 2017 में उनके पिता वीरप्पा शेट्टी के निधन ने उन्हें गहरे दर्द से गुजरने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि पिता 2014 से बीमार थे और वह लगातार उनकी देखभाल कर रहे थे। इस दौरान वह मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुके थे और उन्होंने अभिनय से दूरी बना ली थी। सुनील के अनुसार, पिता के निधन वाले दिन ही उन्हें काम का एक ऑफर मिला, जो उन्हें उस वक्त अवास्तविक सा लगा। अभिनेता ने बताया कि उसी सुबह उन्हें एक हेल्थ शो करने का ऑफर मिला, जिसे उन्होंने एक संकेत के रूप में देखा। उन्होंने कहा कि भावनात्मक रूप से खाली महसूस करने के बावजूद उसी पल ने उन्हें दोबारा काम की ओर लौटने की प्रेरणा दी।

भारतीय जांच एजेंसियों की बड़ी कामयाबी

भारत ने कसा 70+ भगोड़ों पर शिकंजा

विदेशों में छिपे 70 से ज्यादा भगोड़े ट्रेस

27 से ज्यादा भारत लाए गए

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय जांच एजेंसियों के लिए पिछला एक साल भगोड़ों के खिलाफ कार्रवाई के लिहाज से बेहद शानदार रहा है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट (2024-25) के मुताबिक, भारतीय एजेंसियों ने विदेशों में छिपे 70 से ज्यादा वांछित अपराधियों और भगोड़ों को सफलतापूर्वक 'लोकेट' (चिह्नित) कर लिया है। अधिकारियों का दावा है कि पिछले एक दशक में भगोड़ों को ट्रेस करने का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है, जो भारत की बढ़ती वैश्विक पहुंच और खुफिया नेटवर्क की मजबूती को दर्शाता है।

कानूनी प्रक्रिया: लेटर्स रोगेटरी का हथियार

विदेशों से कानूनी मदद हासिल करने के लिए 'लेटर्स रोगेटरी' (LR) का प्रभावी इस्तेमाल किया गया है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच कुल 74 एलआर भेजे गए, जिनमें से 54 मामले सीधे सीबीआई से जुड़े थे, जबकि 20 मामले राज्यों की पुलिस और अन्य एजेंसियों के थे। अच्छी खबर यह है कि इनमें से 47 अनुरोधों पर पूरी कार्यवाही संपन्न हो चुकी है, जो विदेशी न्यायिक प्रणालियों के साथ भारत के बेहतर समन्वय का प्रमाण है।

लंबित मामलों की लंबी फेहरिस्त

सफलता के बावजूद, अभी भी एक बड़ी चुनौती सामने है। 31 मार्च 2025 तक अलग-अलग देशों में भारत के कुल 533 अनुरोध लंबित पड़े हैं। इनमें से 276 मामले सीबीआई के हैं, जबकि 257 मामले अन्य एजेंसियों से संबंधित हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया एकतरफा नहीं है; भारत को भी आपराधिक जांच में सहयोग के लिए विदेशी एजेंसियों से करीब 32 कानूनी अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जिन पर काम चल रहा है।

इंटरपोल नोटिस का शिकंजा

भगोड़ों को दुनिया के किसी भी कोने से दबोचने के लिए एनसीबी-इंडिया (NCB-India) ने इंटरपोल नोटिसों का जाल बिछा दिया है। इस साल 126 'रेड नोटिस' जारी किए गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट की तरह काम करते हैं। इसके अलावा संदिग्धों की पहचान के लिए 89 'ब्लू नोटिस' और लापता लोगों की तलाश के लिए 24 'येलो नोटिस' जारी किए गए हैं।

समाज के दुश्मनों पर कड़ी नजर

इंटरपोल के माध्यम से न केवल आर्थिक अपराधियों, बल्कि समाज के लिए खतरा बनने वाले तत्वों पर भी नजर रखी जा रही है। अज्ञात शवों की पहचान के लिए 7 'ब्लैक नोटिस' और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकने वाले अपराधियों के लिए 1 'ग्रीन नोटिस' जारी किया गया है। इन विभिन्न श्रेणियों के नोटिसों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अपराधी दुनिया के किसी भी हिस्से में सुरक्षित न रह सकें।

भारत में छिपे विदेशी अपराधियों पर भी नजर

सिर्फ भारतीय भगोड़ों को ही नहीं, बल्कि भारत ने अपनी धरती पर छिपे विदेशी अपराधियों के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई की है। रिपोर्ट के अनुसार, इसी अवधि के दौरान जांच एजेंसियों ने भारत में पनाह लिए हुए दूसरे देशों के 203 भगोड़ों का पता लगाया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि भारत अंतरराष्ट्रीय संधियों का पालन करते हुए न केवल अपने अपराधियों को वापस ला रहा है, बल्कि वैश्विक पुलिसिंग में भी एक जिम्मेदार भागीदार की भूमिका निभा रहा है। एजेंसियों का काम सिर्फ अपराधियों को ढूंढने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्हें कानून के दायरे में लाने में भी बड़ी सफलता मिली है। पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 27 भगोड़ों को विदेश से भारत वापस (Extradite/Deport) लाया गया है। इस अभियान में इंटरपोल की नोडल एजेंसी के रूप में सीबीआई (CBI), गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के साथ बेहतरीन तालमेल बिठाकर काम कर रही है, जिसके नतीजे अब धरातल पर दिखाई दे रहे हैं।

सीबीआई का 'ग्लोबल ऑपरेशन'

सीबीआई अपने 'ग्लोबल ऑपरेशंस सेंटर' (GOC) के जरिए इस पूरी कवायद की धुरी बनी हुई है। यह सेंटर विदेशी पुलिस और इंटरपोल के साथ 24x7 संपर्क में रहता है। जैसे ही किसी भगोड़े की लोकेशन ट्रेस होती है, जीओसी तुरंत कूटनीतिक और कानूनी चैनल सक्रिय कर देता है। इसके अलावा, सीबीआई ने नागरिकता छोड़ने वाले 22,200 से अधिक आवेदनों की भी गहन जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपी है।

कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का विरोध नहीं किया: थरूर

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पार्लियामेंट में कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का कभी भी विरोध नहीं किया। एकमात्र मुद्दा ऑपरेशन सिंदूर था, जिस पर सिद्धांत के आधार पर मेरा स्टैंड अलग था। थरूर ने कहा कि इस मामले पर मैंने बहुत मजबूत स्टैंड लिया था। मैं इसके लिए कोई माफी नहीं मांगूंगा। पहलगाम की घटना के बाद, मैंने खुद इंडियन एक्सप्रेस में एक कॉलम लिखा था। मैंने इसमें कहा था कि ऐसी घटना को बिना सजा के नहीं छोड़ा जा सकता और इसका जवाब देना जरूरी है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने यह बातें शनिवार को कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान कहीं। वह वहां दर्शकों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

'दिल्ली से कोझिकोड वापस आना आसान नहीं'

शशि थरूर ने पार्टी मीटिंग में नहीं जाने पर मीडिया से कहा कि मैं जो कहना चाहता था, वह मैंने पार्टी लीडरशिप को बता दिया है। यह सही नहीं है कि मैं इस बारे में पब्लिक में बात करूं। उन्होंने कहा कि मीडिया कई बातें कह सकता है, कुछ सही हो सकती हैं, कुछ गलत हो सकती हैं। मैंने पहले ही पार्टी लीडरशिप को बता दिया था कि मैं इसमें शामिल नहीं हो पाऊंगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बयान पर कोई पछतावा नहीं

शशि थरूर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर अपने सख्त रुख पर कोई पछतावा न होने की बात कहते हुए कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ लंबे टकराव में उलझने के बजाय विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और किसी भी कार्रवाई को केवल आतंकवादी शिविरों तक सीमित रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने वही कदम उठाया, जैसा उन्होंने सुझाया था।

कांग्रेस पार्टी और थरूर के बीच चल रहे मतभेद

कांग्रेस पार्टी और थरूर के बीच मतभेद चल रहे हैं और इसका खुलासा भी कांग्रेस सांसद ने खुद ही किया। थरूर ने कहा कि पार्टी के साथ उनके कुछ मुद्दे हैं जिन्हें वह नेतृत्व के सामने उठाएंगे, और किसी भी आंतरिक मतभेद पर संगठन के अंदर चर्चा होनी चाहिए, न कि मीडिया के माध्यम से। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के बताए गए रुख का उल्लंघन नहीं किया है। शशि थरूर ने कहा, "मैं बस इतना कह सकता हूं कि कुछ मुद्दे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

तेलंगाना में 300 आवारा कुत्तों को मारने पर विवाद

हैदराबाद। तेलंगाना में आवारा कुत्तों की कथित हत्या की बाद जगतियाल जिले में लगभग 300 कुत्तों को कथित तौर पर मार डाला गया। अब मरने वालों की संख्या 900 हो गई है। पशु अधिकार संगठनों ने यह दावा किया है। माना जा रहा है कि ये हत्याएं सरपंचों सहित कुछ निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा की गई हैं। कथित तौर पर पिछले साल दिसंबर में हुए ग्राम पंचायत चुनावों से पहले ग्रामीणों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए, जिसमें आवारा कुत्तों के खतरे से निपटना शामिल था यह ताजा घटना 22 जनवरी को पेगाडापल्ली गांव में 300 आवारा कुत्तों को जहरीले इंजेक्शन देकर मारने की शिकायत दर्ज होने के बाद सामने आई है। शिकायत में इस जघन्य कृत्य के लिए ग्राम सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया गया है कि सरपंच ने आवारा पशुओं को मारने के लिए कुछ व्यक्तियों को काम पर रखा था। पुलिस ने शनिवार को बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है।

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने आईएएस अधिकारी की जमानत रद्द की

गुवाहाटी। गुवाहाटी हाईकोर्ट की ईटानगर पीठ ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपी आईएएस अधिकारी तालो पोटोम की जमानत रद्द कर दी। अदालत ने उन्हें तत्काल प्रभाव से हिरासत में लेने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति यारेनजुंगला लोंगकुमेर ने शुक्रवार को जारी आदेश में कहा कि अधीनस्थ अदालत ने पिछले साल नवंबर में आरोपी को जमानत देते समय महत्वपूर्ण सबूतों और कानूनी सिद्धांतों की अनदेखी की। अदालत ने पूर्व के आदेश को 'विकृत' करार देते हुए कहा कि इसे समुचित विचार किए बिना पारित किया गया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि आरोपी को गिरफ्तारी के सात दिन के भीतर जमानत दे दी गई जबकि जांच प्रारंभिक चरण में थी।

इंजीनियर रशीद को बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति मिली

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने जेल में बंद लोकसभा सांसद इंजीनियर रशीद को आगामी बजट सत्र में भाग लेने के लिए कस्टडी पैरोल मंजूर कर दी है। अतिरिक्त सेशन जज प्रशांत शर्मा की अदालत ने शनिवार को यह आदेश पारित करते हुए रशीद को 28 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह अनुमति पहले से तय शर्तों, विशेषकर यात्रा खर्च से संबंधित शर्तों के अधीन होगी। सुनवाई के दौरान रशीद की ओर से अधिवक्ता विख्यात ओबेरॉय ने अदालत को बताया कि यात्रा खर्च को लेकर दायर अपील अभी दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित है। इससे पहले नवंबर 2025 में अदालत ने इंजीनियर रशीद को संसद के शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए सभी तिथियों पर कस्टडी पैरोल दी थी।

कर्नाटक एसआई भर्ती घोटाला

आईपीएस अमृत पॉल और हेड कॉन्स्टेबल की संपत्तियां जब्त

एजेंसी । बंगलूरू

कर्नाटक पुलिस भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईपीएस अमृत पॉल और हेड कॉन्स्टेबल श्रीधर एच की संपत्तियां जब्त की हैं। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई इस कार्रवाई में संयुक्त संपत्तियों की कीमत 1.53 करोड़ रुपये बताई गई है, जिसमें आवासीय इकाइयां भी शामिल हैं। अमृत पॉल 1995 बैच के आईपीएस हैं और 2022 में कर्नाटक क्राइम इंवेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने उन्हें अतिरिक्त महानिरीक्षक (भर्ती) पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया था।

भर्ती प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी

जांच में सामने आया कि पॉल ने ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं के स्ट्रांगरूम तक अनधिकृत पहुंच प्रदान की और इसकी चाबियां डिप्टी एसपी शांति कुमार को सौंपी। इसके जरिए श्रीधर एच और अन्य साथियों ने अनुचित उम्मीदवारों की उत्तर पुस्तिकाओं में हेरफेर किया। आरोप है कि उम्मीदवारों से 30 से 70 लाख रुपये की रिश्वत ली गई, जिसे आवासीय संपत्तियों के निर्माण में लगाया गया। पहले ही मामले में ईडी ने चार्जशीट दाखिल की है।

शिक्षा क्षेत्र में भी कार्रवाई

कर्नाटक में ईडी ने बीएमएसएस एजुकेशनल ट्रस्ट के खिलाफ भी 21 जनवरी को 19.46 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का आदेश जारी किया। ट्रस्ट पर आरोप है कि उसने इंजीनियरिंग कॉलेजों में सीट ब्लॉकिंग घोटाला किया और छात्रों से नकद वसूली की। यह अघोषित पैसा ट्रस्ट के ट्रस्टीज़ के व्यक्तिगत फायदे के लिए इस्तेमाल किया गया। इन जांचों से कर्नाटक में पुलिस भर्ती और शैक्षिक संस्थाओं में चल रहे भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग की गंभीरता उजागर हुई है।

लकड़ी की तस्करी मामले में 11.3 करोड़ की संपत्ति कुर्क

पंचमहल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुजरात के पंचमहल जिले के गोधरा में खैर की लकड़ी की कथित तस्करी रैकेट के संबंध में 11.3 करोड़ रुपये मूल्य की 14 अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी अधिकारियों ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह कार्रवाई पीएमएलए के प्रावधानों के तहत की गई। इस मामले में आरोपी मुश्ताक आदम तसिया और मोहम्मद ताहिर हुसैन सहित अन्य लोग तापी, सूरत, वलसाड, नवसारी, नर्मदा और गुजरात के अन्य जिलों के वन्यजीव अभयारण्यों से वन अधिकारियों की अनुमति के बिना खैर के पेड़ अवैध रूप से काटने में शामिल थे। खैर की लकड़ी काफी टिकाऊ होती है। इसका व्यापक रूप से पारंपरिक चिकित्सा, रंगाई और पान में प्रयुक्त कत्था के स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ईडी ने बताया कि जांच के बाद, ईडी ने आरोपियों से जुड़ी 11.3 करोड़ रुपये की संपत्तियों को चिह्नित किया और उन्हें अस्थायी रूप से कुर्क किया।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर होगा सस्ता

निर्माणाधीन दो लेन राजमार्गों पर टोल टैक्स में 70% की छूट

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। सरकार ने दो लेन के राष्ट्रीय राजमार्गों को चार-लेन या उससे अधिक चौड़ा करने के दौरान टोल टैक्स में 70 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। सड़क यात्री इस अवधि में केवल टोल का 30 प्रतिशत ही भुगतान करेंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में इस संबंध में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। संशोधित नियमों के अनुसार, निर्माण कार्य शुरू होने की तारीख से लेकर परियोजना पूरा होने तक यात्रियों को टोल का केवल 30 प्रतिशत ही देना होगा। इस दौरान टोल दरों में कोई वार्षिक पुनरीक्षण भी नहीं होगा। एनएचएआई हर साल टोल दरों में 7 से 10 प्रतिशत वृद्धि करता है, लेकिन संशोधन के अनुसार निर्माण अवधि में यह वृद्धि लागू नहीं होगी।

भारतमाला परियोजना और सुधार का प्रभाव

सरकार देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भारतमाला परियोजना और अन्य योजनाओं के तहत लगभग 25-30 हजार किलोमीटर के दो-लेन राजमार्गों को चार-लेन में अपग्रेड कर रही है। इसके लिए लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। चार-लेन कॉरिडोर बनने से व्यावसायिक वाहनों की औसत रफ्तार 30-35 किमी/घंटा से बढ़कर 50 किमी/घंटा से अधिक हो जाएगी, और माल ढुलाई का राष्ट्रीय राजमार्गों पर हिस्सा 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

चार लेन के हाईवे पर 25 फीसदी की छूट

सरकार के नए नियम के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग के चार-लेन से छह या आठ-लेन बनने पर टोल टैक्स में 25 फीसदी की छूट दी जाएगी। यानी टोल टैक्स की तय दर का 75 फीसदी भुगतान करना होगा। इसके अलावा, टोल रोड की लागत पूरी होने पर टैक्स सिर्फ 40 प्रतिशत लेने का नियम पहले से है।

भारत से अतिरिक्त 25% टैरिफ हटा सकता है अमेरिका

एजेंसी । दावोस

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिया है कि भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को हटाया जा सकता है। दावोस में 'पॉलिटिको' से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि टैरिफ लागू होने के बाद भारत ने रूस से तेल की खरीद में भारी कमी की है, जिसे उन्होंने बड़ी सफलता बताया। बेसेंट ने कहा कि फिलहाल भले ही टैरिफ लागू हों, लेकिन इन्हें हटाने के लिए एक कूटनीतिक रास्ता मौजूद है और भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों में बदलाव करने होंगे।

रूसी तेल और अमेरिकी विधेयक का संदर्भ

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्तावित विधेयक पर चर्चा चल रही है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था—पहली बार 1 अगस्त को व्यापार घाटे को लेकर और दूसरी बार 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने के कारण, दोनों बार 25-25 प्रतिशत।

'इंडिया फर्स्ट' ऊर्जा नीति पर कायम भारत

भारत ने दोहराया है कि उसकी 'इंडिया फर्स्ट ऊर्जा नीति' का लक्ष्य 1.4 अरब नागरिकों के लिए किफायती ऊर्जा सुनिश्चित करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत प्रस्तावित अमेरिकी विधेयक से अवगत है और स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। वहीं, बेसेंट ने यूरोपीय देशों की आलोचना करते हुए कहा कि वे भारत से रूसी कच्चे तेल से बने पेट्रोलियम उत्पाद खरीदकर अप्रत्यक्ष रूप से रूस की मदद कर रहे हैं।

चुनाव आयोग लोकतंत्र का रक्षक नहीं रहा : राहुल गांधी

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में एसआईआर प्रक्रिया के तहत मुख्य विपक्षी दल समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं रहा, बल्कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की साजिश का हिस्सा बन गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर को 'एक व्यक्ति, एक वोट' के संवैधानिक अधिकार को खत्म करने के हथियार के रूप में बदला जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस समर्थकों के नाम चुन-चुनकर सूची से हटाए गए। जहां भी सत्तारूढ़ दल को हार की आशंका दिखी, वहां मतदाताओं के नाम सूची से गायब कर दिए गए।

कांग्रेस समर्थकों को निशाना बनाने का दावा

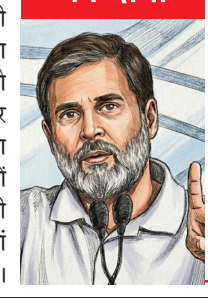

चुनावी अधिकारों और लोकतंत्र पर खतरा

कांग्रेस की ओर से यह भी बताया गया कि मतदाता सूची संशोधन के दौरान नियमों का उल्लंघन कर बड़े पैमाने पर आपत्तियां दाखिल कराई गईं और आयोग इस पर चुप्पी साधे रहा। पार्टी का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया चुनावी अधिकारों को कमजोर करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की दिशा में एक गंभीर कदम है।

इसरो 2026 में कई उपग्रह लॉन्च करने की योजना बना रहा : चेयरमैन

एजेंसी । कोयंबटूर

इसरो के चेयरमैन वी नारायणन ने शनिवार को कहा कि एजेंसी 2026 में कई सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना पर काम कर रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम इस साल बहुत सारे सैटेलाइट भेजने की योजना बना रहे हैं। बहुत काम चल रहा है। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद हम उनकी घोषणा करेंगे। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि भारत और अमेरिका को मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों का पता लगाना चाहिए, उन्होंने कहा कि हमारे पास कई बड़े मिशन लाइन में हैं। हम एक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। हम लोगों को चंद्रमा पर भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने की योजना बना रहे हैं। पीएसएलवी-सी62 रॉकेट के तीसरे चरण के दौरान आई गड़बड़ी के बारे में एक सवाल पर, उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक इसका विश्लेषण कर रहे हैं। हम इसके बारे में अध्ययन कर रहे हैं।

आम बजट

नक्सल इलाक़ों में विकास के प्लान पर होगा फोकस

आंतरिक सुरक्षा के लिए छह फ़ीसदी से ज़्यादा बढ़ेगा आवंटन

अर्धसैन्य बलों को मिलेगा ज़्यादा फंड

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की आंतरिक सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्र सरकार आगामी बजट में गृह मंत्रालय के आवंटन में भारी इजाफा कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, इस साल गृह मंत्रालय के बजट में 6 से 7 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है।

सरकार का मुख्य फोकस सीमावर्ती इलाकों के प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर बलों को आधुनिक बनाने और नए आपराधिक कानूनों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने पर रहेगा।

नक्सल मुक्त क्षेत्रों के लिए नया रोडमैप

इस बार के बजट में नक्सल समस्या के खात्मे के बाद के हालात के लिए एक विशेष 'विकास रोडमैप' का जिक्र होने की संभावना है। सरकार की मंशा है कि जिन इलाकों से नक्सलवाद का सफाया हो चुका है, वहां समग्र विकास की रणनीति लागू की जाए ताकि यह समस्या दोबारा सिर न उठा सके। इसके लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे इन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा और रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकें।

50 नए सुरक्षा कैंपों की तैयारी

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा ग्रिड को अंतिम रूप देने के लिए सरकार की योजना लगभग 50 नए सुरक्षा कैंप स्थापित करने की है। बजट में इन कैंपों के लिए वित्तीय मंजूरी मिलने की पूरी उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य उन सुदूर इलाकों तक पहुंच बनाना है जहां अभी सुरक्षा बलों की पकड़ कमजोर है, ताकि विकास कार्यों को बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके।